

भारत सरकार ने बेहतरीन युद्ध-रणनीति का उदाहरण पेश किया

जल जीवन है, पर वह घातक अस्त्र भी बन सकता है

जल ही जीवन है, लेकिन युद्ध की स्थिति में वही घातक अस्त्र भी बन सकता है। पहलगांम आतंकी हमले की प्रतिक्रिया स्वरूप भारत ने सिंधु जल समझौते को निलंबित करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है। यानि जल स्वयं एक रणनीतिक प्रतिरोधक है। यह पहला मौका नहीं है, जब पानी को हथियार बनाया गया है। इतिहास गवाह है कि राष्ट्रों ने नदियों को शत्रु की तरह मोड़ा

है। 1938 में चीन ने हुआंग हे (येलो रिवर) के तटबंध को तोड़कर जापानी सेना को रोका था। शत्रु सेना तो रुकी, पर चीन को अपने 8/ लाख नागरिकों की बलि देनी पड़ी थी। 1672 /में डचों ने फ्रांसीसी आक्रमण रोकने हेतु खेत-खलिहान जलमग्न कर दिए थे। सद्दाम हुसैन ने इराक के दलदलों को सुखा

कर शियाओं को विस्थापित किया और 2023 में यूक्रेन के नोवा काखोव्का बांध के विध्वंस ने हजारों को बेघर किया। इस पृष्ठभूमि में भारत का निर्णय केवल पानी रोकने तक सीमित नहीं है, बल्कि एक शत्रु की धमनियों पर उंगली रखने वाला सामरिक संदेश भी है। विश्व/बैंक की मध्यस्थता से 1960 /में हुई सिंधु जल संधि ने छह नदियां बांटीं। रावी-ब्यास-सतलुज (41 /बीसीएम)



भारत को मिलीं, जबकि सिंधु-झेलम-चिनाब (99 /बीसीएम) का प्रभुत्व पाकिस्तान को। लिहाजा, 70/ प्रतिशत जल

इतिहासकार डैनियल हेन्स ने लिखा है, यह संधि जल को समान रूप से साझा करने के बारे में कम और संघर्ष से बचने के लिए इसे विभाजित करने के बारे में अधिक थी। भारत को वर्षों तक खटकता रहा है कि बड़ती आबादी, जलवायु परिवर्तन और आतंकवाद की परछाई में यह बंटवारा उचित नहीं है। 2016/ में उरी और

2019 /में पुलवामा आतंकी हमलों के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र/ मोदी का कथन गुंजा, रक्त और पानी एक साथ नहीं बह सकते। उसी भावना ने 2024/ में शाहपुर/कांडी बैराज से रावी का अंतिम रिसाव भी रोका। पाकिस्तान को खेती के लिए 90 प्रतिशत पानी यही नदियां

देती हैं। मगर नालियों में लीकेज, व्यर्थ बहाव के चलते आधा पानी समुद्र में चला जाता है। साथ ही, भू-जल स्तर भी गिर रहा है। ऐसे में भारत के पास कुछ विकल्प हैं। मसलन, पूर्वी नदियों का पूर्ण उपयोग। पंजाब-राजस्थान लिंक नहरें शेष धारा को वापस मोड़ सकती हैं। इससे कृषि क्षेत्र को भी लाभ होगा। ▶10

शुभ-लाभ विमर्श

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड का हुआ पुनर्गठन

पीएम मोदी की कैबिनेट ने लिया महत्वपूर्ण फैसला

सारे रिटायर मिल कर बनाएंगे लड़ने की योजना!

आम जनगणना के साथ जातीय जनगणना भी होगी

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड का पुनर्गठन किया गया है। इसमें सात रिटायर अधिकारी शामिल होंगे। सारे रिटायर मिल कर देश को लड़ने की योजना सिखाएंगे! राँ के पूर्व प्रमुख बोर्ड के अध्यक्ष बनाए गए हैं। पहलगांम आतंकी हमले के बाद केंद्र सरकार की रणनीतिक बैठकों के बीच राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड में बड़ा फेरबदल किया गया है। सरकार की ओर से पुनर्गठित राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड में सात सदस्य होंगे। बोर्ड में तीनों सेनाओं के सेवानिवृत्त अधिकारी शामिल होंगे। सरकार की ओर से केंद्रीय खुफिया एजेंसी रिसर्च एंड अनालिसिस विंग (रॉ) के पूर्व प्रमुख आलोक जोशी को बोर्ड का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। बोर्ड में पश्चिमी एयर कमांड के पूर्व प्रमुख एयर मार्शल पीएम सिन्हा, दक्षिणी सेना कमांड के पूर्व



बोर्ड में सात सदस्य, अध्यक्ष होंगे राँ के पूर्व प्रमुख

(आईएफएस) से रिटायर हुए बी वेंकटेश वर्मा और भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) से रिटायर हुए राजीव रंजन वर्मा और मनमोहन सिंह भी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड के

सदस्य होंगे। पहलगांम आतंकवादी हमले के मद्देनजर बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर सुरक्षा पर कैबिनेट समिति (सीसीएस) की बैठक बुलाई। इसके बाद राजनीतिक मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीपीए), आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीईए) की बैठक हुई। ताबड़तोड़ बैठकों के बाद एक पूर्ण कैबिनेट की बैठक भी हुई। पहलगांम हमलों के बाद दूसरी बार बुलाई गई सीसीएस पहलगांम की घटना के मद्देनजर सुरक्षा तैयारियों पर चर्चा हुई। सुरक्षा पर कैबिनेट समिति (सीसीएस) की पिछली बैठक 23 अप्रैल को हुई थी और पहलगांम में हुए आतंकवादी हमले को लेकर विस्तार से विमर्श किया गया था। मंगलवार को प्रधानमंत्री मोदी ने देश के शीर्ष रक्षा अधिकारियों के साथ बैठक की थी, ▶10

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। आखिरकार भाजपा भी जातिवाद के घटिया रास्ते पर उतर आई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में यह फैसला लिया गया कि देश में होने वाली मूल जनगणना के साथ ही जातीय जनगणना भी कराई जाएगी। इस तरह मोदी सरकार भी जातिवाद की मुख्य धारा पर उतरते हुए जातिगत जनगणना कराने की घोषणा कर दी है। मंत्रिमंडल के फैसले के बारे में आधिकारिक जानकारी देते हुए

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, राजनीतिक मामलों की कैबिनेट समिति ने फैसला किया है कि जाति गणना को आगामी जनगणना में शामिल किया जाएगा।

वैष्णव ने कहा कि कांग्रेस की पूर्ववर्ती सरकारों ने हमेशा जातिगत जनगणना का विरोध किया है। आजादी के बाद से ही जाति को जनगणना की किसी भी प्रक्रिया में शामिल नहीं किया गया। 2010 में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने लोकसभा में आश्वासन दिया था कि जातिगत जनगणना को कैबिनेट के सामने रखा जाएगा। इसके बाद एक मंत्रिमंडल समूह का गठन किया गया। इसमें ज्यादातर राजनीतिक दलों ने जातिगत जनगणना की संसुति की। इसके



आखिर भाजपा भी उतरी जातिवाद के घटिया रास्ते पर

जबकि राजनीतिक दृष्टिकोण से गैर-पारदर्शी तरीके से ऐसे सर्वेक्षण किए हैं। ऐसे सर्वेक्षणों ने समाज में भ्रांति फैली है। यह सुनिश्चित करने के लिए हमारा सामाजिक ताना-बाना राजनीति के दबाव में न आए। हमें जाति जनगणना के लिए एक मंच तैयार करना चाहिए। ▶10

पाकिस्तान ने अपना दूत मॉस्को भेजा, पर नाकाम रहा

पाकिस्तान विरोधी मोर्चे में भारत के साथ आया रूस

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)।

पहलगांम में जेहादी हमले से उपजे हालात में रूस ने भारत के पक्ष में खड़े होने का फैसला सुना दिया है। इस सिलसिले में रूस और भारत के बीच बातचीत भी हो चुकी है। रूस के उप विदेश मंत्री ने मास्को में भारत के राजदूत से इस बारे में विस्तार से बात की। रूस ने सार्वजनिक रूप से भारत का पक्ष लिया है। हमले के फौरन बाद राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने संवेदनाएं व्यक्त करते हुए भारत को समर्थन देने की बात की थी। पाकिस्तान ने रूस का रुख बदलने के इरादे से फौरन अपना दूत रूस भेजा, लेकिन रूस ने स्पष्ट कर दिया कि वह अपना रुख नहीं बदलेगा। पाकिस्तान ने अपना चीन-कार्ड भी खेलने की



कोशिश की, लेकिन उसमें भी कामयाब नहीं हुआ। पाकिस्तान ने खुद को बेदग दिखाने की गरज से रूस और चीन की अगुआई में एक अंतरराष्ट्रीय जांच कराने की मांग की थी। उसे लग रहा था कि उसका आका चीन उसका पक्ष लेगा, लेकिन पाकिस्तान की यह उम्मीद औंधे मुंह गिर गई जब चीन ने किसी प्रकार का समर्थन देने के बजाय टका पाकिस्तान को संयम बरतने की सलाह दे दी। रूस की तरफ से बयान जारी कर कहा गया कि पाकिस्तान के राजदूत मोहम्मद खालिद जमाली के काफी अनुनय-विनय के बाद रूस के उप विदेश मंत्री ने उनसे भेंट की। इस चर्चा में रूस और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय सहयोग के विभिन्न आयामों के ▶10

सिसोदिया और जैन के खिलाफ एक और एफआईआर दर्ज

क्लास रूम बनाने में खा गए थे 2 हजार करोड़

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)।

भ्रष्टाचार निरोधक शाखा ने दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और पूर्व पीडब्ल्यूडी मंत्री सत्येंद्र जैन के खिलाफ निर्माण में भ्रष्टाचार के संबंध में एफआईआर दर्ज की गई है। मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन के खिलाफ 2 हजार करोड़ के बड़े घोटाले का मामला दर्ज हुआ है। भ्रष्टाचार निरोधक शाखा ने दोनों नेताओं के खिलाफ अत्यधिक लागत पर कक्षाओं का निर्माण कराने के जरिए भ्रष्टाचार करने का आरोप लगाया है। 12,748 क्लासरूम और भवनों के निर्माण में 2000 करोड़ रुपए के घोटाले से जुड़ा यह मामला है। एंटी करप्शन ब्रांच की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि दिल्ली में आपा सरकार के शासनकाल में 12,748 कक्षाओं और भवनों के निर्माण में 2,000 करोड़ का भारी घोटाला

सामने आया है। परियोजना को आम आदमी पार्टी से जुड़े कुछ ठेकेदारों को कथित तौर पर दिया गया था। निर्माण में भारी विचलन और लागत में वृद्धि देखी गई।



इसके अलावा निर्धारित अवधि के अंदर एक भी काम पूरा नहीं हुआ। एंटी करप्शन ब्यूरो के द्वारा दर्ज केस में इन नेताओं पर दिल्ली सरकार के स्कूलों की कक्षाओं के

निर्माण में भारी वित्तीय अनियमितता करने का आरोप लगाया गया है। आरोप यह भी है कि आम आदमी पार्टी से जुड़े ठेकेदारों को कक्षाओं के निर्माण का काम देकर वित्तीय गड़बड़ी को अंजाम दिया गया। जांच एजेंसी ने दर्ज केस में आरोप लगाया है कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार रहने के दौरान 12,748 कक्षाओं का निर्माण किया गया था। आरोप पत्र के अनुसार, इन कक्षाओं के निर्माण में घटिया गुणवत्ता की सामग्री का उपयोग किया गया, लेकिन इसका पैसा बेहतर आरसीसी निर्माण तकनीकी की दर से वसूल किया गया। एजेंसी का आरोप है कि इस मामले में भारी वित्तीय गड़बड़ी की गई है। एंटी करप्शन ब्यूरो ने यह भी आरोप लगाया है कि इन कक्षाओं के निर्माण में जिन 34 ठेकेदारों को निर्माण का ठेका दिया गया था, ▶10

पाकिस्तान के लिए परेशानी का सबब बन रही भारत की युद्धक क्षमता

भारत के सुखोई जैसे लड़ाकू विमानों से शत्रु सेना में खौफ

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)।

22 अप्रैल 2025 को पहलगांम में हुए भयानक आतंकवादी हमले में 26 हिंदू पर्यटकों को चुन-चुन कर मारे जाने के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव खतरनाक नई ऊंचाइयों पर पहुंच गया है। पहलगांम में आतंकी हमला पाकिस्तान के इस्लामी सैन्य प्रतिष्ठान द्वारा किया गया था, जिसने दोनों देशों के बीच युद्ध की स्थिति पैदा कर दी। दोनों देश इसके लिए तैयार हो रहे हैं, लेकिन पाकिस्तानी सेना और खुफिया अधिकारी चिंतित भी हैं। दुनियाभर के रणनीतिक विश्लेषक यह मानते हैं कि यदि युद्ध छिड़ जाता है, तो दोनों सेनाओं के बीच

की असमानता युद्ध के मैदान में साफ-साफ दिखेगी। भारत के खतरनाक एसयू-30एमकेआई या राफेल लड़ाकू विमानों और थलसेना की लड़ाकू युद्ध-क्षमता को लेकर



पाकिस्तान का आकलन उसे चिंता में डाल रहा है। अगर संघर्ष छिड़ता है तो भारत के सैन्य हार्डवेयर की श्रेष्ठता को नकारा नहीं जा सकता। पाकिस्तान की सेना, जिसमें उसका

परमाणु शस्त्रागार भी शामिल है, भारत की अधिक उन्नत प्रणालियों की तुलना में काफी पुरानी मानी जाती है। भारत की हवाई युद्ध क्षमता में एसयू-30एमकेआई निर्णायक भूमिका निभाने के लिए तैयार है। यह भारत की विमानन ताकत को काफी आगे बढ़ाती है। इसके बेड़े में डर्सांट मिराज 2000, राफेल एमएस और साब जेएस 39 ग्रिपेन भी शामिल हैं, जो सब पाकिस्तानी वायुसेना के भंडार में मौजूद विमानों से बहुत बेहतर हैं। रणनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि युद्ध की स्थिति में इस्लामाबाद को बहुआयामी अपमान का सामना करना पड़ेगा। ▶10

भारतीय नौसेना का मल्टी रोल गेमचेंजर बनेगा राफेल मरीन

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)।

हाल के वर्षों में भारत की सामरिक रणनीति में समुद्री क्षेत्र पर जोर देना स्पष्ट संकेत है कि देश अब केवल भूमि आधारित खतरों पर ही नहीं बल्कि समुद्री सीमाओं पर भी अपने प्रभुत्व को सुदृढ़ करना चाहता है। भारत की समुद्री शक्ति को और अधिक धार देने तथा हिंद महासागर क्षेत्र में अपनी रणनीतिक पकड़ को सशक्त करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए भारत ने फ्रांस के साथ एक ऐतिहासिक रक्षा समझौता किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीएस) ने भारतीय नौसेना के लिए फ्रांस

से 26 राफेल-एम मरीन फाइटर जेट की खरीद को हरी झंडी दी है। यह सौदा लगभग 63 हजार करोड़ रुपए (करीब 7.9 अरब डॉलर) का है, जिसे भारत की अब तक की



सबसे महत्वपूर्ण नौसेना डील के रूप में देखा जा रहा है। भारतीय नौसेना को इस सौदे के तहत 26 अत्याधुनिक राफेल मरीन लड़ाकू विमान मिलेंगे, जिन्हें विमानवाहक पोतों से

संचालित किया जाएगा। यह सौदा न केवल भारत की समुद्री सुरक्षा नीति के केंद्र में स्थित है बल्कि इसके पीछे एक दीर्घकालिक रणनीतिक उद्देश्य भी छिपा है, हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शक्ति संतुलन को अपने पक्ष में बनाए रखना और चीन तथा पाकिस्तान जैसे प्रतिद्वंद्वियों के बढ़ते नौसैनिक प्रभाव को प्रभावी रूप से जवाब देना। भारत के लिए यह सौदा इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह भारतीय रक्षा खरीद प्रणाली में निरंतर परिपक्वता और पारदर्शिता की ओर बढ़ते हुए कदमों का संकेत देता है। यह सौदा सरकार से सरकार के स्तर पर किया गया है, जिससे इसकी पारदर्शिता और ▶10



अक्षय तृतीया के पावन प्रसंग पर 180 तपस्वियों का सामूहिक पारणा



बेंगलूरु/शुभ लाभ व्यूरो।

फूलों की नगरी बेंगलूरु की धन्यधरा पर श्री महावीरस्वामी वर्षीतप चैरिटेबल ट्रस्ट (रजि.) चामराजपेट के तत्वावधान में गच्छाधिपति आचार्यदेव श्रीमद्विजय उदयप्रभ सूरिश्वरजी की निश्रा में पर्ल ग्राउंड शंकरपुरम में सामूहिक वर्षीतप अक्षय तृतीया के पावन प्रसंग पर 180 तपस्वियों के सामूहिक पारणे का कार्यक्रम आयोजित किया गया। गच्छाधिपति के मुखरबिंद से मंगलाचरण से वर्षीतप तपस्वियों के पारणे का शुभारंभ किया गया। ट्रस्ट के अध्यक्ष महावीर मेहता ने सभी वर्षीतप तपस्वियों को पारणे की सात पुछ कर सभी वर्षीतप तपस्वी की अनुमोदना की। ट्रस्ट के मंत्री संतोष चौहान ने सभी वर्षीतप के तपस्वी के सामूहिक वर्षीतप के लाभार्थियों एवं कार्यकर्ताओं का धन्यवाद सहित आभार

प्रकट किया। ट्रस्ट के उपाध्यक्ष सुरेन्द्र रांका एवं गौतम मुथा, कोषाध्यक्ष गजेन्द्र चांदावत, सह मंत्री महावीर श्रीश्रीमाल, सहमंत्री नरेश बांठिया, भेरूमल भंडारी, मुकेश मेहता, किशोर पोरवाल, सुनील मोदी, सुनील गादिया, महावीर लुंकेड, महेंद्र छाजेड, उत्तमचंद सालेचा, जयंतिलाल बागरेचा, केवल जीरावला, हेमराज पाल-गोता, प्रवेश बालर, प्रवीण पोरवाल, मोहन जीरावला, मनोज बोहरा, संजय मेहता, विकास पालरेचा, विशाल पोरवाल एवं सभी कार्यकर्ताओं ने सम्पूर्ण व्यवस्था संभाली। संचालन उपाध्यक्ष गौतम मुथा ने किया। यह जानकारी कैलाश संखलेचा ने देते हुए बताया श्रेयांस कुमार बनकर लतीत कुमार, अशोक कुमार, किशोर कुमार, महेंद्र कुमार, नरेन्द्र कुमार, छाजेड परिवार केशवणा निकासी ने प्रथम वर्षीतप पारणा

करवाने का लाभ लिया। प्रथम दिवस अल्पाहार का लाभ विमलादेवी सुमेरमल चौरडिया परिवार गढ़ सिवाणा निवासी ने लिया। सुबह की नवकारसी का लाभ पिस्ताबाई जुगराज गिरिया परिवार जोजावर निवासी ने लिया। बड़ी सांझी एवं मेहेंदी का लाभ महावीर स्वामी वर्षीतप महिला मंडल ने लिया। शाम की नवकारसी का लाभ शांतिबाई, संपतराज, उम्मेदराज बाफना मुथा परिवार निमाज निवासी ने लिया। अक्षया तृतीया दिवस अल्पाहार का लाभ बादरमल, केवलचंद, गौतमचंद, दिनेशकुमार जीरावला परिवार अजित निवासी ने लिया। शाहीकरवा का लाभ हुकमराज, प्रकाशमल, शांतिलाल, इन्द्रकुमार, राजकुमार सोलंकी परिवार जालोर निवासी ने लिया। बड़ी नवकारसी का लाभ मनोहरलाल, जयंतिलाल,

विकासकुमार, यतीन्द्रकुमार, राहुलकुमार बागरेचा परिवार देवावास निवासी ने लिया। हस्तिनापुर नगरी का उद्घाटन (पर्ल ग्राउंड) करने का लाभ किशोरकुमार कांतादेवी नाहार परिवार खैरवा निवासी ने लिया। भरत चक्रवती भोजन पंडाल (मराठा हॉस्टल ग्राउंड) उद्घाटन करने का लाभ लिया। पाद पक्षाल का लाभ श्रीश्रीमाल चांदावत परिवार सेवाड़ी निवासी ने लिया। रजत पंखी का लाभ आनंद जेवेलर्स आडवा निवासी ने लिया। तिलक-माला श्रीफल द्वारा बहुमान करने का लाभ संघवी जयंतिलाल, कांतिलाल, महेंद्रकुमार, नेमीचंद कंकु चौपड़ा परिवार आहोर निवासी ने लिया। मोमेन्टो द्वारा बहुमान करने का लाभ विमलादेवी शांतिलाल कंकु चौपड़ा गढ़ सिवाणा निवासी ने लिया। ट्रस्ट द्वारा सभी लाभार्थियों का बहुमान किया गया।

वर्षीतप का गुड़ के पानी से पारणा



बेंगलूरु/शुभ लाभ व्यूरो।

श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, अलसूर के तत्व-वधान में महावीर भवन में विराजमान साध्वी आगम श्री जी ने अपने 34वें वर्षीतप का गुड़ के पानी से पारणा किया। इसी कड़ी में साध्वी तत्वज्ञा श्री ने 28वें एवं साध्वी संपूर्णा जी ने 6वें वर्षीतप का पारणा किया। अलसूर संघ को 3 साध्वी जी को पारणा कराने का अभूतपूर्व अवसर मिला। अलसूर में आयोजित मात्र साध्वी वृन्द के पारणा आयोजन का लाभ लेने

एवं तपस्वी साध्वी को पारणा कराने सुबह से ही महावीर भवन में श्रद्धालुओं का तांता लग गया और उन्होंने प्रासुक अचीत गुड़ पानी साध्वीजी को बोहराया और मांगलिक श्रवण की। आज ही के दिन प्रथम तीर्थंकर प्रभु आदिनाथ ने 400 दिनों के अखंड तप का अपने प्रपौत्र श्रेयांश कुमार के हाथों गन्ने के प्रासुक रस से इस काल का प्रथम पारणा किया था। पहली बार किसी ने मुनि को खाद्य सामग्री बहरा कर गोचरी परंपरा को प्रारंभ किया था। इसी तप

का अनुसरण करते हुए हजारों की संख्या में एकांतर उपवास कर वर्ष भर का वर्षीतप करते हैं। साध्वी आगम जी के पारणा आयोजन में अलसूर संघ अध्यक्ष धनपत राज बोहरा, संघ मंत्री अभय कुमार बांठिया, पूर्व अध्यक्ष नेमीचंद चोरडिया, विल्सन गार्डन संघ के चेयरमैन मीटालाल मकाना, बेंगलूरु महासंघ के कोषाध्यक्ष हस्तीमल बाफना, अलसूर महिला मंडल, नवकार बहु मंडल, जैन युवक संघ एवं अनेक संघों के सदस्य, पदाधिकारी उपस्थित थे।

बसव जयंती पर कलबुर्गी के बसवेश्वर अस्पताल में मरीजों के लिए मुफ्त भोजन कार्यक्रम शुरू



कलबुर्गी/शुभ लाभ व्यूरो।

12वीं सदी के समाज सुधारक बसवन्ना को भावभीनी श्रद्धांजलि देते हुए, हैदराबाद कर्नाटक शिक्षा सोसायटी (एचकेईएस) ने बुधवार को बसव जयंती के अवसर पर कलबुर्गी के बसवेश्वर शिक्षण एवं सामान्य अस्पताल में 'बसवप्रसाद' नामक एक मुफ्त पोष्टिक भोजन पहल शुरू की। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए, एचकेईएस के अध्यक्ष और विधान परिषद सदस्य शशिल जी. नमोशी ने बसवन्ना के दूरदर्शी आदर्शों कायाका (श्रम की गरिमा) और दासोहा (मुफ्त भोजन) पर जोर दिया। उन्होंने कहा, बसवन्ना ने लैंगिक भेदभाव को खारिज किया और एक

समतवादी समाज का आद्वान किया, जहां हर व्यक्ति ईमानदारी से काम करके कमाए और दूसरों के साथ साझा करे। उनकी शिक्षाएं समावेशी जीवन के लिए एक वैश्विक मॉडल बनी हुई हैं। बसवप्रसाद कार्यक्रम का उद्देश्य भर्ती मरीजों को मुफ्त पोष्टिक भोजन उपलब्ध कराना है और यह पूरी तरह से दान पर आधारित है। दानकर्ता एक दिन के भोजन को प्रायोजित करने के लिए 11,000 का योगदान दे सकते हैं। नमोशी ने अपने परिवार की ओर से 55,000 का योगदान दिया, जिसे उन्होंने लॉन्च के दौरान अस्पताल के अधिकारियों को चेक भेंट किया। इसके अतिरिक्त, एचकेईएस केंद्रीय

कार्यालय के कर्मचारियों ने इस पहल के लिए 17,100 का योगदान दिया। नमोशी ने कहा यह विचार शरण आंदोलन के लोकाचार की प्रेरणा से पैदा हुआ था। मुझे खुशी है कि इस बसव जयंती पर, हम एक सार्थक पहल शुरू कर रहे हैं जो उन मूल्यों को दर्शाती है। यह कार्यक्रम कलबुर्गी के चौदपुरी हीरिमठ के राजशेखर शिवाचार्य की उपस्थिति में आयोजित किया गया, जिन्होंने इस पहल की सराहना की और अपने मठ से 11,000 का योगदान दिया। उन्होंने कहा बसवन्ना के दासोहा के दर्शन के अनुरूप 'बसवप्रसाद' का शुभारंभ वास्तव में सराहनीय है।

कलबुर्गी में वचन मंडप का निर्माण जल्द ही शुरू होगा: मंत्री शरण प्रकाश पाटिल

बसव जयंती समारोह मनाया

कलबुर्गी/शुभ लाभ व्यूरो। कर्नाटक सरकार 12वीं सदी के समाज सुधारक बसवन्ना और वचन आंदोलन के सार्वभौमिक संदेश को फैलाने के लिए कलबुर्गी में 'वचन मंडप' का निर्माण करेगी। चिकित्सा शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री डॉ. शरण प्रकाश पाटिल ने कलबुर्गी में बसव जयंती समारोह के दौरान इसकी घोषणा की। इस कार्यक्रम का आयोजन जिला प्रशासन, कलबुर्गी सिटी कॉरपोरेशन, कन्नड़ और संस्कृति विभाग और बसव जयंती समारोह समिति द्वारा संयुक्त रूप से किया गया था। उन्होंने कहा, इस परियोजना को 2024-25 के राज्य बजट में शामिल किया गया है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने हमें तुरंत निर्माण कार्य शुरू करने का निर्देश दिया है। जिला प्रशासन खाका तैयार कर रहा है। 12वीं शताब्दी के बसवन्ना और अन्य शरणों के जातिविहीन और समतामूलक समाज के निर्माण के



आजीवन प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए, मंत्री ने कहा कि शरण आंदोलन का सार, सभी प्राणियों के लिए करुणा और समानता और वचनों की परिवर्तकारी शक्ति में निहित है, जिसे आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा हमें इष्ट लिंग पूजा की प्रथा और बसव दर्शन की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित और पोषित करना चाहिए। बसव की विचारधारा की समावेशिता पर बोलते हुए, कर्नाटक राज्य नीति और योजना

आयोग के उपाध्यक्ष बी.आर. पाटिल ने टिप्पणी की कि जो लोग इष्ट लिंग नहीं पहनते हैं, वे भी बसवन्ना के अनुयायी हो सकते हैं। उन्होंने कहा बसवन्ना के अनुयायी होने के लिए लिंग पहनना कोई शर्त नहीं है। यहां तक कि जो लोग इसे नहीं पहनते हैं, वे भी उनकी शिक्षाओं का पालन कर सकते हैं। हमारी लिंगायत पहचान उस समय से शुरू हुई जब हाशिए पर पड़े समुदायों के लोगों ने आध्यात्मिक

समानता के प्रतीक के रूप में लिंग को अपनाया। कर्नाटक में बुद्ध-बसव-अंबेडकर दर्शन को बढ़ावा देने के प्रयासों के लिए दलित संघर्ष समिति की सराहना करते हुए उन्होंने व्यक्तियों को आदर्श बनाने की तुलना में विचारों को बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा बसवन्ना की सामाजिक क्रांति अंतरजातीय विवाह और श्रम की गरिमा को अपनाने से शुरू हुई। हमें विचारों का महिमापन करना चाहिए,

व्यक्तियों का नहीं - चाहे वह बसवन्ना हो या अंबेडकर। अगर हम केवल व्यक्तियों का महिमापन करेंगे, तो विचार फीके पड़ जाएंगे। विधायक और जयंती समिति के अध्यक्ष एम.वाई. पाटिल ने उन कक्षा शरणों को अपनाने का आह्वान किया जो अलग हो गए हैं, उन्होंने अंतरजातीय सद्भाव की वकालत करने और एक समतावादी समाज की स्थापना में बसवन्ना की क्रांतिकारी भूमिका को दोहराया। उन्होंने यह भी कहा कि वचन साहित्य की पुनः खोज के बाद से बसव जयंती महज जुलूस से बढ़कर वैचारिक रूप से समृद्ध उत्सव बन गई है। सेवानिवृत्त प्रोफेसर डॉ. दुर्गादास ने व्याख्यान देते हुए कल्याण कर्नाटक को बसवन्ना की कर्मभूमि बताया और वचनों की सुगमता और आध्यात्मिक गहराई की प्रशंसा की। उन्होंने बसवन्ना को एक मानवतावादी के रूप में चित्रित किया, जिन्होंने रुढ़िवादिता को पार किया और कम उम्र से ही तर्कसंगत विचारों का समर्थन किया।



बेंगलूरु/शुभ लाभ व्यूरो।

वनबंधु परिषद, महिला समिति, बेंगलूरु द्वारा अपने नए सत्र के प्रथम कार्यक्रम के रूप में अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर श्री लक्ष्मी स्टील (इंडिया) पिनिया औद्योगिक क्षेत्र में भीषण गर्मी से जूझ रहे लोगों को राहत प्रदान करने के लिए छाछ, शरबत एवं लेमन राइस का वितरण किया गया। राष्ट्रीय महिला समिति की जॉइंट सेक्रेटरी रेंजू कनोडिया की

विशेष उपस्थिति रही। अध्यक्ष कांता काबरा द्वारा दीर्घ प्रज्वलन से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। सचिव अनीता जैन द्वारा एकल विद्यालय का वर्णन करने पर एक विद्यालय का अनुदान प्राप्त हुआ। गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी सुनीता गुप्ता के नेक विचार एवं आयोजन से कार्य संपन्न हुआ। कार्यक्रम में महिला समिति के 18 सदस्यों ने भाग लिया एवं जिनमर में 400 पाथिकों को प्रसाद वितरित किया गया।

प्रेक्षा ध्यान और डिप्रेषन कार्यशाला का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ व्यूरो।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशानुसार तेरापंथ महिला मंडल राजाजीनगर के तत्वावधान में प्रेक्षा ध्यान और डिप्रेषन कार्यशाला का आयोजन आचार्य महाश्रमण जी की सुशिक्षा साध्वी पावन प्रभाजी एवं साध्वी पुण्य यशजी के सान्निध्य में तेरापंथ सभा भवन राजाजीनगर में किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत सामूहिक नमस्कार महामंत्र द्वारा हुई। तत्पश्चात मंडल की बहनों द्वारा प्रेरणा गीत का गंगान किया गया। मुख्य वक्ता पारमार्थिक संस्थान अध्यक्ष बजरंग जैन ने बताया की डिप्रेषन आज के समय की सबसे बड़ी समस्या है और डिप्रेषन को दूर करने के 4 उपाय बताते हुए कहा कि हमें स्वास्थ्य का ध्यान



रखते हुए अच्छी नींद, हेल्थी डाइट, व्यायाम तथा निरंतर योग, प्राणायाम एवं आसनों का प्रयोग करना चाहिए। इस विषय पर प्रकाश डालते हुए साध्वी पावन प्रभाजी ने फरमाया कि डिप्रेषन को दूर करने के लिए शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक, आध्यात्मिक गतिविधियों से

एकाग्रता, स्मृति और निर्णय लेने की क्षमता में धीरे धीरे सुधार हो सकता है। साध्वी पुण्य यशजी ने स्वास प्रेक्षा करने की प्रेरणा दी। साध्वी उन्नत यशजी ने शशांक आसान, ताड़ासन, कार्यात्सर्ग एवं महाप्राण ध्वनि के प्रयोग करवाए। कार्यशाला में राजाजीनगर सभा अध्यक्ष अशोक चौधरी और

उनकी टीम, तेरुप अध्यक्ष कमलेश चौरडिया और उनकी टीम, कर्नाटक प्रभाजी लता जैन, निवर्तमान अध्यक्ष चेतना वेदमूथा, मंत्री लता नवलखा, परामर्शिकाएं, कार्यकारी एवं श्रावक श्राविका समाज की उपस्थिति थी। स्वागत एवं आभार अध्यक्ष उषा चौधरी ने व्यक्त किया।

अक्षय तृतीया पर सेवाकार्य



बेंगलूरु/शुभ लाभ व्यूरो।

स्वास्तिक सेवा संघ द्वारा क्ताशिपाल्पम स्थित दूसरे क्रॉस संघ कार्यालय पर अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्वास्तिक सेवा संघ के चेयरमैन सतीश मित्तल, अध्यक्ष बिमल सरावगी, उप

चेयरमैन श्याम बंसल, अनिल नाहर, शैलेन्द्र मित्तल, गौरव जिंदल, पवन बंसल, नरेश अग्रवाल, अजय खेमका, ममता सहित बड़ी संख्या में सदस्यों ने उपस्थित होकर सेवा कर लाभ लिया। सतीश मित्तल ने बताया कि करीब 4 हजार लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

नागरिक की जिम्मेदारी है। राज्य सरकार ने बसवन्ना को सांस्कृतिक नेता घोषित किया है। उन्होंने कहा कि वह देश के लोगों को उनकी जयंती के अवसर पर शुभकामनाएं देते हैं। इस मौके पर मंत्री एम.बी. पाटिल, पूर्व मंत्री लीलादेवी आर. प्रसाद और बसवा समिति के पदाधिकारी उपस्थित थे।



अक्षय तृतीया वर्षीतप पारणा समारोह का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

आचार्यश्री महाश्रमणजी के विद्वान सुशिष्य डॉ. मुनि पुलकित कुमारजी एवं नचिकेता मुनि आदित्य कुमारजी के मंगल सानिध्य में अक्षय तृतीया वर्षीतप पारणा समारोह का आयोजन श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा राजराजेश्वरी नगर द्वारा किया गया। आइडियल होम्स कन्वेंशन हॉल में उपस्थित विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए डॉ. मुनि पुलकित कुमार जी ने कहा प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव ने श्रम करो सुखी रहो, सहन करो शांति से जियो का सूत्र दिया था। वर्षीतप की आराधना जहां जैन धर्म की पहचान है वहीं आज के मेडिकल साइंस के लिए अनुसंधान का विषय बन चुका है। तपस्या अमृत कहलाता है तथा स्वयं की ऊर्जा को उध्मर्मुखी बनाने का प्रयत्न है। तपस्या से शरीर की शुद्धि ही नहीं बल्कि आत्म शुद्धि का उत्तम उपाय सभी धर्म ग्रंथों में



प्राप्त है। देह रूपी मंदिर में तप रूपी भगवान की स्थापना करें। अशुभ कर्म बंधन से मुक्त होने का प्रयास करें तभी अक्षय तृतीया मनाने की सार्थकता होगी। नचिकेता मुनि आदित्य कुमार जी ने तपस्या के साथ ध्यान के महत्व को उजागर करते हुए विचार प्रस्तुत

किया। कैलास आश्रम महासंस्थान, राजराजेश्वरीनगर के आचार्य महामण्डलेश्वर जगदगुरु श्री जयेन्द्र पूरी महास्वामीजी ने कहा श्री कृष्ण ने गीता में तप करके मन की चंचलता को दूर करने का उपाय बताया है। तपस्या से जैन लोग जितेंद्रिय बनने का प्रयास



करते हैं, सनातन हिंदू संस्कृति हो या जैन संस्कृति, सभी में भगवान ऋषभ स्वीकार किया गया है। सभी तपस्वी के प्रति मंगल कामना करता हूं। तेरापंथ धर्मसंघ की कल्याण परिषद के संयोजक कैलाश चन्द्र जैन ने बताया

कि तपस्या का आध्यात्मिक के साथ-साथ शारीरिक प्रतिक्रिया एक शोध का विषय है। इस पर गहन शोध जारी है एवं हम इस शोध के निष्कर्ष के प्रति आशावान हैं। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुनि द्वारा श्री ऋषभाय नमः जप के द्वारा किया गया। महिला मंडल ने मंगला-

चरण प्रस्तुत किया। सभा परिवार की ओर से श्री ऋषभाय नमः गीतिका द्वारा श्रद्धाशक्ति अभिव्यक्ति प्रेषित की गई। सभाध्यक्ष राकेश छाजेड़ ने सभी का भावभीना स्वागत करते हुए सभी तपस्वियों की सुखसाता की पृच्छा करते हुए तपभावना की अनुमोदना की। महासभा से प्रकाश लोढ़ा, पारमार्थिक शिक्षण संस्था के अध्यक्ष बजरंग जैन, सभी केन्द्रीय एवं क्षेत्रीय संस्थाओं तेरापंथी सभा, युवकपरिषद, महिला मंडल, टी.पी.एफ, कन्यामंडल, किशोर मंडल, ज्ञानशाला के बच्चों एवं राजराजेश्वरी नगर की सभी संस्थाओं के पदाधिकारियों एवं वृहद बेंगलूरु के श्रावक समाज की उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। पूर्व अध्यक्ष कमलसिंह दुगड़, ट्रस्ट अध्यक्ष मनोज डागा एवं तेषुप अध्यक्ष विकास जैन एवं उनकी टीम की सक्रिय उपस्थिति रही। दो मुमुक्षु बहनों रिषिका समदडिया

एवं दक्षिता बच्छावत एवं तेममं अध्यक्ष सुमन पटावरी ने भावाभिव्यक्ति दी। तपस्वियों के परिवारजनों ने भी भावाभिव्यक्ति दी। 20 वर्षीतप तपस्वियों ने मुनि को ईक्षुरस प्रदान कर अपने वर्षीतप को संपन्न कर धन्यता का अनुभव किया। सभा ने मुमुक्षु बहनों एवं तपस्वियों का जैन पट्ट, अभिनन्दन पत्र एवं स्मृति चिह्न से सम्मानित किया। कार्यक्रम के प्रायोजक परिवार पारसमल-विजयादेवी, संदीप-दीपिका बाफना (फारलू निवासी) परिवार का सम्मान किया गया। कार्यक्रम के संयोजक देवेन्द्र नाहटा एवं उनकी टीम के श्रम एवं समय नियोजन से सफलता मिली। सभी तपस्वियों का परिचय सभा की उपाध्यक्ष सरोज आर बैद ने दिया। कार्यक्रम का कुशल संचालन मंत्री गुलाब बाँठिया ने किया। आभार ज्ञापन कोषाध्यक्ष देवेन्द्र नाहटा ने व्यक्त किया।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में जगज्योति बसवन्ना की जयंती मनाई

बुद्ध, बसव और अम्बेडकर के दर्शन

सर्वकालिक महानतम: नारायणस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बुद्ध, बसव और अम्बेडकर के दर्शन और सिद्धांत सर्वकालिक महानतम हैं। विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी ने कहा कि उनके सिद्धांत और दर्शन कालातीत हैं और हमेशा लोगों के सर्वोत्तम हित की कामना करते हैं। वह जगज्योति बसवन्ना की जयंती के अवसर पर मल्लेश्वरम स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद बोल रहे थे।

उन्होंने कहा बसवन्ना दबे-कुचले लोगों और अंधकार में रहने वाले लोगों के लिए प्रकाश थे। उन्होंने उन्हें याद दिलाया कि



उनके जीवन का लक्ष्य एक धर्मनिरपेक्ष समाज और मानव धर्म का निर्माण करना है। उन्होंने कहा कि बसवन्ना की इच्छा थी कि सभी लोग भाईचारे के साथ रहें और एक समान समाज का निर्माण करें। बुद्ध, बसवन्ना और अम्बेडकर का इरादा जाति

उन्मूलन का था। लेकिन आज जो कांग्रेस सरकार सत्ता में है, वह जातियों को बांट रही है। नारायणस्वामी ने आलोचना करते हुए कहा कि वोट बैंक के लिए राजनीति की जा रही है। यह एक ऐसी प्रणाली है जो बुद्ध, बसवन्ना और अम्बेडकर के दर्शन और

सिद्धांतों के खिलाफ है। उन्होंने कांग्रेस पार्टी की इस प्रणाली का उपयोग कुछ लोगों को लुभाने, दूसरों पर अत्याचार करने तथा अन्य को एक साथ रखने के लिए भेदभावपूर्ण समाज बनाने के लिए करने के लिए आलोचना की। बुद्ध और अम्बेडकर वे लोग थे जिन्होंने

जातिविहीन समाज का निर्माण करना प्रारंभ किया। बसवन्ना ने इस समाज में सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक रूप से योगदान दिया है। आज की लोकतांत्रिक संसद बसवन्ना द्वारा निर्मित अनुभव मंडप के आधार पर चल रही है। उन्होंने कहा कि इसका निर्माण 12वीं शताब्दी में महान व्यक्ति बसवन्ना ने किया था। इस अवसर पर प्रदेश कार्यालय सचिव लोकेश अम्बेकलू, सहसचिव विश्वनाथ अनाजी, बेंगलूरु मध्य जिला अध्यक्ष सप्तगिरी गौड़ा, प्रदेश मीडिया सह-संयोजक प्रशांत केदानजी, पार्टी नेता, कार्यकर्ता एवं कार्यालय कर्मचारी उपस्थित थे।

अवैध रूप से भंडारित 500 क्विंटल चावल जब्त

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के अधिकारियों ने शहर के एक निजी कॉलेज के पीछे स्थित गोदाम में अवैध रूप से रखे जा रहे करीब 500 क्विंटल चावल जब्त किए हैं।

लोगों से मिली शिकायतों पर कार्रवाई करते हुए विभाग की उप निदेशक अनीता वी मदलुर के नेतृत्व में छापेमारी की गई। अनुपमा एंटरप्राइजेज के किराए के गोदाम में बासमती, सोना मसूरी, जीरा चावल और टूटे चावल सहित विभिन्न चावल ब्रांड के बैग थे। इसके अलावा, बिना ब्रांडिंग के सादे सफेद बैग में बड़ी मात्रा में चावल संग्रहीत किया गया था, जिससे संदेह पैदा होता है कि उनमें सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के लिए चावल शामिल हो सकता है। चावल के सभी स्टॉक को जब्त कर लिया



गया है और आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। एक अधिकारी ने कहा कहा ऐसी शिकायतें भी मिली हैं कि उत्तर कर्नाटक से अन्न भाग्य योजना के चावल को अवैध रूप से ले जाया जा रहा है, पॉलिश किया जा रहा है और

स्थानीय बाजार में बिक्री के लिए रीब्रांड किया जा रहा है। जब्त चावल के नमूने परीक्षण के लिए प्रयोगशाला में भेजे गए हैं। यह भी सत्यापित किया जाएगा कि गोदाम के पास इतनी बड़ी मात्रा में चावल रखने के लिए आवश्यक अनुमति थी या नहीं।

हत्याकांड मामले में पांच और गिरफ्तार



अब तक 20 लोग हिरासत में

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

ग्रामीण पुलिस स्टेशन में दर्ज हत्या के मामले में मेंगलूरु शहर पुलिस ने पांच और लोगों को गिरफ्तार किया है। ये नई गिरफ्तारियां इसी मामले में पहले 15 आरोपियों की गिरफ्तारी के

बाद हुई हैं, जिससे गिरफ्तारियों की कुल संख्या 20 हो गई है। नए गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान कैकंबा के यतिराज, वामननूरु के सचिन, कुलशेखर के अनिल और कुडुपु के सुशांत और आदर्श के रूप में हुई है। पीड़ित की प्रारंभिक पहचान केरल के वायनाड जिले के सुल्तान बैटरी तालुक के पुलपट्टी गांव के निवासी

अशरफ के रूप में हुई है। उसके परिवार को सूचित कर दिया गया है और वे व्यक्तिगत रूप से पहचान और आवश्यक औपचारिकताओं को पूरा करने के लिए मेंगलूरु जाएंगे। पुलिस ने बताया कि अन्य संदिग्धों की संलिप्तता का पता लगाने और सभी अपराधियों को न्याय के कठघरे में लाने के लिए जांच जारी है।

यूजीनीट परीक्षा 4 मई को, प्रदेश में 381 परीक्षा केंद्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी द्वारा 2025 यूजीनीट परीक्षा 4 मई को पूरे देश में आयोजित की जाएगी। यह राज्य भर में कुल 381 परीक्षा केंद्रों पर दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक आयोजित की जाएगी और 1,49,000 छात्र परीक्षा के लिए उपस्थित होंगे। कॉलेज एवं तकनीकी शिक्षा विभाग ने बताया है कि विद्यार्थियों को सुबह 11 बजे से दोपहर 1.30 बजे तक परीक्षा केंद्र पर उपस्थित होने की अनुमति होगी। छात्रों को परीक्षा केंद्र पर अपना एडमिट कार्ड, कॉलेज द्वारा जारी आईडी कार्ड, आधार कार्ड, चैन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, वोटर आईडी कार्ड या कोई अन्य स्वीकार्य आईडी प्रूफ के साथ एक पोस्टकार्ड और दो पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ लाना होगा।

संबंधित पंजीकरण प्रक्रिया उस दिन सुबह 11 बजे से एनटीए द्वारा नियुक्त एजेंसियों द्वारा शुरू होगी और नियुक्त पुलिस कर्मियों द्वारा छात्रों की सुरक्षा



जांच की जाएगी। परीक्षा में शामिल होने वाले छात्रों के लिए बायोमेट्रिक उपस्थिति अनिवार्य है और छात्रों को प्रवेश पत्र में दिए गए निर्देशों का पालन करना होगा। यह स्पष्ट किया गया है कि विद्यार्थियों को पूरी आस्तीन का टॉप, बड़े बटन वाली शर्ट, पतलून, जूते, मोजे, ऊंची सैंडल, झुमके, चूड़ियां, हार, पायल, नाक की अंगूठी, हेयर क्लिप और अन्य कोई भी धातु के उपकरण पहनने की

अनुमति नहीं है तथा उन्हें किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक उपकरण लाने या पहनने की अनुमति नहीं है। जिन छात्रों ने प्रवेश पंजीकरण प्रक्रिया पूरी कर ली है, उन्हें अपने पंजीकरण नंबर के साथ सिधे कमरे में जाना चाहिए। परीक्षा दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित की जाएगी तथा परीक्षा अवधि के दौरान हर घंटे घंटी बजाई जाएगी। जिला प्रशासन ने कहा है कि

परीक्षा केंद्रों पर निर्बाध विद्युत आपूर्ति, स्वास्थ्य कर्मियों एवं आपातकालीन सेवाओं की तैनाती, परीक्षा केंद्रों की साफ-सफाई तथा परीक्षा में शामिल होने वाले दिव्यांग/विशेष रूप से सक्षम छात्रों की सुविधा के लिए मिल चेयर सिस्टम एवं आपातकालीन अग्निशामक प्रणाली की व्यवस्था जिला प्रशासन द्वारा की जाएगी।

एनटीए ने परीक्षा केंद्र पर जैमर लगाने और जांच करने के लिए एक एजेंसी नियुक्त की है और परीक्षा केंद्र प्रमुख को यह सुनिश्चित करना होगा।

प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर पुलिस कर्मी परीक्षा में बैठने वाले छात्रों की उचित जांच करेंगे। घोषणा में कहा गया है कि परीक्षा केंद्रों के आसपास कर्फ्यू लागू करने के लिए कदम उठाए गए हैं और नामित अधिकारियों/कर्मचारियों के अलावा किसी भी आम व्यक्ति को परीक्षा केंद्रों में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी।

चाकू घोंपकर व्यक्ति की हत्या

धारवाड़/शुभ लाभ ब्यूरो।

धारवाड़ तालुक के कोदूर गांव में पूर्व ग्राम पंचायत अध्यक्ष की हत्या के मामले में जमानत पर रिहा हुए व्यक्ति की उसके घर के बाहर चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई। मृतक शंकरय्या पंचय्या मथापति को भाजपा युवा मोर्चा के उपाध्यक्ष प्रवीण कम्मर की हत्या के मामले में गिरफ्तार किया गया था। कुछ महीने पहले ही उसे जमानत मिली थी। मंगलवार को वह सुनवाई के लिए कोर्ट में पेश हुआ था। बाद में वह अपने घर के बाहर बैठा था, तभी मोटरसाइकिल पर सवार दो लोग आए और उस पर चाकू से कई बार वार किया। पीड़ित को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। हत्या की घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। पुलिस सूत्रों ने बताया कि प्रारंभिक जांच में बदला लेने के लिए हत्या की बात सामने आई है। मथापति के परिवार के सदस्यों ने प्रवीण कम्मर के भाई दीपक कम्मर और उसके सहयोगी नागू पर हत्या में शामिल होने का आरोप लगाया है। गराग पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आरोपियों की तलाश कर रही है।

भाजपा ने कांग्रेस पर पीएम मोदी को बदनाम करने का आरोप लगाया

पाकिस्तान को अप्रत्यक्ष समर्थन का आरोप लगाया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक भाजपा ने कांग्रेस पार्टी पर कड़ा प्रहार करते हुए उसके नेताओं पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अपमान करने और अप्रत्यक्ष रूप से पाकिस्तान का पक्ष लेने का आरोप लगाया है। मंगलवार शाम को बेंगलूरु में मीडिया से बात करते हुए विपक्ष के नेता आर अशोक ने प्रधानमंत्री की तस्वीर को कथित रूप से खराब करने की निंदा की और इसे आपराधिक

कृत्य और पद की गरिमा का सीधा अपमान बताया। उन्होंने पहलगांम आतंकी घटना और भारत-पाकिस्तान संबंधों के बारे में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और मंत्री आर बी तिम्मापुर द्वारा हाल ही में दिए गए बयानों की ओर भी इशारा किया और कहा कि इस तरह की टिप्पणियां राष्ट्रीय सुरक्षा का अनादर करने और पाकिस्तान को अप्रत्यक्ष रूप से समर्थन देने के समान हैं। अशोक ने कहा मुख्यमंत्री सिद्धरामैया दावा करते हैं कि युद्ध अनावश्यक है और तिम्मापुर आतंकवाद की झूठता को कम आंकते हैं। ये टिप्पणियां



राष्ट्रीय सुरक्षा पर भारत के रुख को कमजोर करती हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को अपने वरिष्ठ नेतृ-ओं द्वारा की गई टिप्पणियों के लिए जवाबदेही लेनी चाहिए।

अशोक ने पार्टी के भीतर अनुशासन बनाए रखने में विफल रहने के लिए कांग्रेस की भी आलोचना की। उन्होंने सवाल किया जयराम रमेश ने सिद्धरामैया

और तिम्मापुर द्वारा की गई टिप्पणियों से खुद को अलग कर लिया है।

जब पार्टी ही अपने नेताओं का समर्थन नहीं करती, तो उनके पास नैतिक अधिकार ही क्या रह जाता है? उन्होंने सिद्धरामैया पर पाकिस्तान में पसंदीदा बनने का आरोप लगाया। अशोक ने व्यांयात्मक लहजे में कहा अगर वह लाहौर में चुनाव लड़ते हैं, तो वह एक लाख वोटों के अंतर से जीत सकते हैं। जल्द ही उन्हें पाकिस्तान द्वारा नागरिक पुरस्कार से सम्मानित किया जा सकता है। उन्होंने राज्य सरकार की

सार्वजनिक अधिकारियों के प्रति बढ़ती दुश्मनी पर चिंता व्यक्त की। अशोक ने कहा इस सरकार ने यह संदेश दिया है कि पुलिस अधिकारियों को भी निशाना बनाया जा सकता है। हाल ही में, सीएम ने एक कार्यक्रम में डिप्टी कमिश्नर की मौजूदगी पर सार्वजनिक रूप से सवाल उठाया। यह अहंकार नहीं चलेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के शासन में कर्नाटक में कानून और व्यवस्था खराब हो गई है। राज्य अब उपद्रवियों द्वारा चलाया जा रहा है और मुख्यमंत्री का व्यवहार केवल उन्हें प्रोत्साहित करता है।



संस्कृत शिक्षा परिषद का परीक्षाफल घोषित

10वीं में विधांशु और 12वीं में भूमिका ने किया टॉप

लखनऊ, 30 अप्रैल
(एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद, लखनऊ द्वारा वर्ष 2025 की पूर्व मध्यमा द्वितीय (कक्षा 10), उत्तर मध्यमा प्रथम एवं उत्तर मध्यमा द्वितीय (कक्षा 12) की परीक्षाओं का परिणाम बुधवार को घोषित कर दिया गया। पूर्व मध्यमा में 92.58 प्रतिशत छात्र सफल रहे, जबकि उत्तर मध्यमा प्रथम के परीक्षार्थियों का उत्तीर्ण प्रतिशत 92.08 रहा। इसी तरह, उत्तर मध्यमा द्वितीय के परीक्षार्थियों का उत्तीर्ण प्रतिशत 87.82 है। पूर्व मध्यमा द्वितीय (कक्षा 10) में ज्ञानोदय संस्कृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मऊ के विधांशु शर्मा ने 93.42 प्रतिशत अंकों के साथ टॉप



किया, जबकि उत्तर मध्यमा द्वितीय (कक्षा 12) में अंबाजी आश्रम माध्यमिक संस्कृत विद्यालय जौनपुर की भूमिका ने 85.21 प्रतिशत अंकों के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। परीक्षा परिणाम परिषद की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है।

माध्यमिक शिक्षा निदेशालय के निदेशक डॉ महेंद्र देव और माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद



के सचिव शिव लाल ने परीक्षाफल की घोषणा की। उन्होंने बताया कि इस वर्ष परीक्षा में 8708 अधिक छात्रों की भागीदारी दर्ज की गई, जो संस्कृत शिक्षा के प्रति बढ़ते रुझान का संकेत है। कुल 1265 संस्कृत माध्यमिक विद्यालयों में से 1075 विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने परीक्षा में हिस्सा लिया। इन परीक्षाओं के लिए 247 परीक्षा केंद्र निर्धारित

किए गए थे। परीक्षाएं सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में सम्पन्न कराई गईं। राज्य स्तरीय कंट्रोल रूम से रियल टाइम मॉनिटरिंग की गई, जबकि जनपद और मण्डल स्तर पर भी निगरानी के लिए ऑनलाइन कंट्रोल रूम स्थापित किए गए थे। इसके चलते नकलबिहीन, पारदर्शी और शुचिता के साथ परीक्षाओं को संपन्न कराने में सफलता मिली। पूर्व मध्यमा द्वितीय में कुल 13,574 छात्र प्रथम श्रेणी, 1,330 छात्र द्वितीय श्रेणी में पास हुए। वहीं, उत्तर मध्यमा द्वितीय में 5160 छात्र प्रथम, 4101 छात्र द्वितीय और 287 छात्र तृतीय श्रेणी में पास हुए।

पूर्व मध्यमा द्वितीय परीक्षा में 18,107 परीक्षार्थी सम्मिलित

हुए, जिनमें से 14,916 उत्तीर्ण हुए। कुल उत्तीर्ण प्रतिशत 92.58 प्रतिशत रहा। बालकों का उत्तीर्ण प्रतिशत 92.62 प्रतिशत तथा बालिकाओं का 92.45 प्रतिशत रहा। उत्तर मध्यमा प्रथम परीक्षा में 15,645 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए, जिनमें से 13,365 सफल हुए। कुल उत्तीर्ण प्रतिशत 92.08 प्रतिशत रहा। बालकों का उत्तीर्ण प्रतिशत 92.51 प्रतिशत जबकि बालिकाओं का 90.87 प्रतिशत दर्ज किया गया। उत्तर मध्यमा द्वितीय परीक्षा में 11,488 परीक्षार्थियों में से 9,561 सफल हुए। यहां उत्तीर्ण प्रतिशत 87.82 प्रतिशत रहा। बालिकाओं ने 89.50 प्रतिशत सफलता के साथ बालकों (87.18 प्रतिशत) से बेहतर प्रदर्शन किया।

काशी में भिक्षुकों के वेश में रह रहे रोहिंग्या-बांग्लादेशी घुसपैठिये

वाराणसी, 30 अप्रैल
(एजेंसियां)।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद धर्मनगरी काशी में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। मंगलवार को पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल ने गोमती जोन के पुलिस अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर सुरक्षा तैयारियों की गहन समीक्षा की। पता चला कि रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठिये भिक्षुक बनकर काशी में रह रहे हैं।

पुलिस कमिश्नर ने आदेश दिया कि रेलवे स्टेशन, बस अड्डों, मंदिरों और प्रमुख पर्यटक स्थलों पर भिक्षुकों या फेरीवालों के वेश में रह रहे रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान कर उनका पूर्ण सत्यापन किया जाए। अवैध रूप से निवास कर रहे व्यक्तियों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। रेलवे लाइन किनारे, पार्कों, गांवों के बाहरी इलाकों और खुले



मैदानों में बसे लोगों का भी सत्यापन कर अवैध कब्जों को हटाने को कहा गया। मकान मालिकों को बिना सत्यापन के किसी को भी किरायेदार न बनाने की चेतावनी दी गई है।

गंगा घाट, बीएचयू परिसर और अन्य शिक्षण संस्थानों के आसपास मादक पदार्थों की बिक्री और सेवन पर रोक के निर्देश पुलिस कमिश्नर ने दिए। उन्होंने कहा कि इसकी शिकायत मिलने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। गौ-तस्करी, अवैध शराब, मादक द्रव्यों और हथियारों की तस्करी में लिप्त व्यक्तियों व गिरोहों पर कड़ी निगरानी और कार्रवाई

सुनिश्चित की जाएगी। ऑपरेशन-चक्रव्यूह के अंतर्गत प्रमुख चौराहों, सीमावर्ती मार्गों और संवेदनशील स्थानों पर विशेष चेकिंग अभियान चलाया जाएगा। बिना नंबर प्लेट के वाहनों पर शत-प्रतिशत कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। पुलिसकर्मियों को रात्रि गश्त के दौरान अनुशासन और सतर्कता के साथ ड्यूटी करने और अनिवार्य रूप से सीटी (व्हीसल) का प्रयोग सुनिश्चित करने को कहा गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में अपराध नियंत्रण के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाने हेतु ग्राम प्रधानों और सम्मानित नागरिकों से सहयोग की अपील की गई है।

इजराइली टेक्नोलॉजी से होगी किसानों की आमदनी दोगुना

लखनऊ, 30 अप्रैल
(एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश में योगी सरकार खेती-किसानी को नई ऊंचाइयों पर ले जाना चाहती है। सरकार की योजना प्रदेश में सब्जी उत्पादन को तकनीकी सहायता से सशक्त बनाने की है। इसके लिए इजराइली तकनीक की मदद ली जा रही है। इसके तहत, कौशाम्बी में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर फ्रूट्स और चंदौली में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर वेजीटेबल्स की स्थापना की जा रही है। इसके साथ ही, किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में 150 हाईटेक नर्सरियों का जाल बिछाया जा रहा है, जिससे उन्हें उच्च गुणवत्ता वाले पौधे और आधुनिक तकनीक सुलभ हो सकेगी।

प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार तथा कृषि निर्यात विभाग के राज्य मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने बताया कि योगी सरकार का लक्ष्य है कि इजराइली तकनीक की मदद से किसानों की आमदनी को दोगुना किया जाए। इसके तहत 26 करोड़ पौधों को तैयार करने की योजना बनाई गई है। इन पौध से



सब्जियों के उत्पादन में गुणात्मक और मात्रात्मक सुधार आएगा, जिससे बाजार में अच्छी कीमत मिल सकेगी।

प्रदेश में 150 हाईटेक नर्सरियों की स्थापना की जा रही है। इन केंद्रों के माध्यम से किसानों को आधुनिक खेती की जानकारी, बीज, पौध और प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाएगा। यह पहल प्रदेश के हर जिले में सब्जी उत्पादन को बढ़ावा देगी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देगी। योगी सरकार ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई को बढ़ावा देने के लिए अनुदान दे रही है। ड्रिप सिंचाई में इकाई लागत के सापेक्ष लघु एवं

सीमांत कृषकों को 90 प्रतिशत तथा अन्य कृषकों को 80 प्रतिशत तक अनुदान दिया जा रहा है। वहीं स्प्रिंकलर सिंचाई के लिए लघु एवं सीमांत कृषकों को 75 प्रतिशत और अन्य कृषकों को 65 प्रतिशत तक की सब्सिडी उपलब्ध कराई जा रही है।

नर्सरियों और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के माध्यम से किसानों को उन्नत किस्म की पौध, उर्वरक, जैविक उत्पाद, कीटनाशक नियंत्रण, जल प्रबंधन, फसल संरक्षण एवं विपणन की तकनीकी जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। इससे उत्पादन लागत में कमी और लाभ में वृद्धि संभव होगी।

जजों के लिए लखनऊ और प्रयागराज में बनेंगे 39 बंगले

लखनऊ, 30 अप्रैल (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार प्रदेश में न्यायिक प्रणाली से जुड़े इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास पर विशेष तौर पर फोकस कर रही है। प्रदेश में विभिन्न जिलों में पुराने-जर्जर कोर्ट परिसरों तथा जजों के रिहा-इशी भवनों का भविष्य की जरूरतों के अनुसार कायाकल्प, नवनिर्माण व विकास का कार्य जारी है। इसी क्रम में, इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच के जजों के लिए गोमतीनगर स्थित हनीमैन क्रॉसिंग से समीप 25 रिहाइशी भवन तथा प्रयागराज में इलाहाबाद हाईकोर्ट के जजों के लिए क्लाइव रोड के प्लॉट नंबर-19 पर 14 बंगलों के निर्माण व विकास की प्रक्रिया जल्द शुरू की जाएगी। उल्लेखनीय है कि इस कार्य को पूरा करने के लिए 143 करोड़ रुपए की लागत आएगी तथा 18 महीने की समयावधि में निर्माण व विकास कार्यों को पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

इस विषय में नियोजन विभाग के टेक्निकल सेल द्वारा एक विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई है जिसके आधार पर निर्माण व विकास कार्यों को प्रगति दी जा रही है। योजना के



अनुसार, हाईकोर्ट के जजों के लिए लखनऊ, प्रयागराज में बन रहे रिहाइशी भवन भविष्य आधारित आधुनिक सुविधा युक्त होंगे। इनमें जजों के रिहा-इशी खंडों के साथ ही गेस्ट हाउस, गार्ड रूम, वांच टावर व डॉर्मटरी जैसी सुविधाएं होंगी तथा परिसरों को सीसीटीवी सर्विलांस सिस्टम व सौर ऊर्जा चालित संयंत्र समेत विभिन्न प्रकार की सुविधाओं से लैस किया जाएगा। नियोजन विभाग के टेक्निकल सेल द्वारा तैयार की गई योजना के अनुसार, लखनऊ बेंच के जजों के लिए गोमतीनगर स्थित हनीमैन क्रॉसिंग के

समीप 25 रिहाइशी भवन तैयार किए जाएंगे। यह भूतल समेत एक मंजिला परिसर होगा और इसे विभिन्न प्रकार की सुविधाओं से युक्त किया जाएगा। परिसर में इन रिहाइशी भवनों के साथ ही भूतल समेत 2 मंजिला गेस्ट हाउस का निर्माण होगा। साथ ही, 2 डॉर्मटरी, 3 सिब्योरिटी डॉर्मटरी, 3 गार्ड रूम, 4 वांच टावर, पंप रूम, इलेक्ट्रिक सब स्टेशन, डीजी सेट, सीसीटीवी सिस्टम, लिफ्ट, सीसी रोड, पार्किंग, डिवाइडर, ग्रीनरी बेल्ट, सोलर फोटोवोल्टिक पावर प्लांट तथा बाउंड्री वॉल समेत विभिन्न प्रकार के नए निर्माण के साथ ही कई प्रकार के विकास कार्यों का निर्माण व

विकास होगा।

इसी प्रकार, प्रयागराज में बनने वाले जजों के 14 रिहाइशी बंगलों के साथ ही परिसर में एक डॉर्मटरी, मल्टीपर्पज फैसिलिटी रूम, वांच टावर, पंप रूम, इलेक्ट्रिक सब स्टेशन, डीजी सेट, सीसीटीवी सिस्टम, लिफ्ट, सीसी रोड, पार्किंग, डिवाइडर, ग्रीनरी बेल्ट, सोलर फोटोवोल्टिक पावर प्लांट तथा बाउंड्री वॉल समेत विभिन्न प्रकार के निर्माण व विकास कार्यों को पूरा किया जाएगा। इसके लिए 18 महीने की समयावधि निर्धारित है और इन्हें ईपीसी मोड पर पूरा किया जाएगा। योगी सरकार द्वारा प्रदेश के विभिन्न जिलों में न्यायिक परिसर के विकास व निर्माण से जुड़ी विभिन्न प्रक्रियाएं जारी हैं। इसमें अलीगढ़, जौनपुर (कैमिली कोर्ट निर्माण), ललितपुर के तहसील तालबेहट, गोरखपुर, गाजीपुर, श्रावस्ती, कासगंज, अमेठी, शामली, हाथरस, औरैया, चन्दौली, महोबा, कासगंज, मुरादाबाद, आगरा, बलिया व इटावा प्रमुख हैं। यहां विभिन्न प्रकार के नए निर्माण के साथ ही कई प्रकार के विकास कार्यों को बढ़ावा दिया जा रहा है।

60 वर्ष से अधिक आयु के ट्रांसजेंडर को मिलेगी वृद्धाश्रम की सुविधा

लखनऊ, 30 अप्रैल
(एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार ने उत्तर प्रदेश में सामाजिक समरसता और समावेशी विकास की दिशा में एक और ऐतिहासिक कदम उठाया है। अब राज्य में 60 वर्ष से अधिक आयु के ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को वृद्धाश्रम की सुविधा प्रदान की जाएगी, जिससे उन्हें न केवल आश्रय मिलेगा, बल्कि एक सम्मानजनक और सुरक्षित जीवन जीने का अवसर भी मिलेगा। इसके साथ ही उन्हें पेंशन, आयुष्मान भारत कार्ड, स्वास्थ्य जांच, भोजन और मानसिक स्वास्थ्य काउंसलिंग जैसी आवश्यक सेवाएं भी दी जाएंगी।

ट्रांसजेंडर वरिष्ठ नागरिकों के लिए यह सुविधा एक संवेदनशील और दूरदर्शी सोच का प्रतीक है, जो समाज के ऐसे वर्ग के लिए है, जो दशकों तक उपेक्षा और भेदभाव का सामना करना पड़ा। योगी सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि प्रदेश में ट्रांसजेंडर समुदाय को समान अधिकार,



गरिमा और अवसर मिलें। प्रदेश में ट्रांसजेंडरों को सरकारी योजना-1ओं से जोड़ने के लिए उनका पंजीकरण भी किया जा रहा है।

ट्रांसजेंडर समुदाय की सुरक्षा और समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु प्रदेश सरकार ने हर जनपद में ट्रांसजेंडर सुरक्षा सेल की स्थापना की है। जिलाधिकारी देखरेख में इस सेल संचालित की जा रही है, जिससे इनकी कार्यप्रणाली प्रभावी और उत्तरदायी बनी रहे। इसके अतिरिक्त, राज्य स्तर पर भी ट्रांसजेंडर प्रोटेक्शन सेल का गठन किया गया है जो समग्र निगरानी और नीति-निर्माण में सहयोग करता है। सुरक्षा सेल के माध्यम से ट्रांसजेंडर समुदाय के सदस्यों को पुलिस संरक्षण, कानूनी सहायता,

उत्पीड़न के मामलों में कार्रवाई और सामाजिक पुनर्वास जैसी सुविधाएं दी जा रही हैं। इससे ट्रांसजेंडर व्यक्तियों में भयमुक्त वातावरण का संचार हुआ है।

योगी सरकार द्वारा संचालित वृद्धाश्रमों में ट्रांसजेंडर वरिष्ठ नागरिकों के लिए व्यवस्थित और संवेदनशील देखभाल व्यवस्था की गई है। इनमें पौष्टिक भोजन, नियमित स्वास्थ्य जांच, दवाइयों की उपलब्धता, चिकित्सकीय देखरेख और मानसिक स्वास्थ्य के लिए काउंसलिंग सेवाएं शामिल हैं। इन वृद्धाश्रमों में सामुदायिक गतिविधियों, पुस्तकालय, योग एवं ध्यान सत्र जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से उन्हें सक्रिय और सकारात्मक जीवन जीने के अवसर मिल रहे हैं। इसके

अतिरिक्त, ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को मासिक पेंशन और आयुष्मान भारत योजना का लाभ भी दिया जा रहा है।

ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए केवल वृद्धाश्रम की सुविधा ही नहीं, बल्कि योगी सरकार ने व्यापक स्तर पर योजनाएं शुरू की हैं। वर्ष 2021 में उत्तर प्रदेश ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए समर्पित कल्याण नीति लागू की। इसी वर्ष उत्तर प्रदेश ट्रांसजेंडर कल्याण बोर्ड का गठन किया गया, जो योजना-1ओं की निगरानी और क्रियान्वयन की जिम्मेदारी संभालता है। गोरखपुर में पहला गरिमा गृह स्थापित किया गया है, जो ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए एक सुरक्षित आश्रय स्थल के रूप में कार्य कर रहा है। इस गृह में रहने, शिक्षा, स्वास्थ्य और कौशल विकास से संबंधित समस्त सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

अब तक 1,067 ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को पहचान पत्र जारी किए जा चुके हैं, जिससे उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ लेने

में आसानी हो रही है। साथ ही 248 ट्रांसजेंडर विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान की गई है, जिससे वे शिक्षा की मुखधारा में आकर आत्मनिर्भर बन सकें। योगी सरकार का लक्ष्य एक समावेशी समाज का निर्माण करना है, जहां हर व्यक्ति को सम्मान और अवसर मिले। ट्रांसजेंडर समुदाय के कल्याण के लिए सरकार प्रतिबद्ध है।

प्रमुख सचिव, समाज कल्याण एल. वेकेंटेथर लू ने कहा कि आने वाले समय में ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए और योजनाएं लाई जाएंगी, ताकि उनका सामाजिक, आर्थिक और मानसिक सशक्तिकरण हो सके। उन्होंने कहा कि प्रदेश के ज्यादा से ज्यादा ट्रांसजेंडरों का पंजीकरण कार्य किया जा रहा है जिससे उनको सरकार की योजनाओं का लाभ मिले। साथ योजनाओं का प्रचार प्रसार के लिए प्रदेश स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके लिए गैरसरकारी संगठनों की भी सहायता ली जाएगी।

प्रदेश के सभी मंडलों में स्थापित होगी फूड एंड ड्रग टेस्टिंग लैब

लखनऊ, 30 अप्रैल
(एजेंसियां)।

योगी सरकार ने उत्तर प्रदेश में खाद्य सुरक्षा और दवा गुणवत्ता को मजबूत बनाने के लिए एक विशेष पहल की है। जिसके तहत, प्रदेश के सभी 18 मंडलों में फूड एंड ड्रग लैब स्थापित की जा रही हैं, जिसमें से 12 मंडलों के मुख्यालयों पर नई लैब बनाई जा रही हैं। इनमें से लखनऊ, कानपुर, सहारनपुर, अयोध्या, अलीगढ़ और गोरखपुर में नई बिल्डिंग का निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है, जहां जुलाई माह तक टेस्टिंग का कार्य शुरू हो जाएगा।

साथ ही इन लैबों में उच्च तकनीकी क्षमता युक्त टेस्टिंग मशीनें लगाई जा रही हैं, जो प्रदेश की फूड और ड्रग सैफ्टी की टेस्टिंग की गुणवत्ता और क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि लाएगा। सीएम योगी का यह प्रयास दवाओं और खाद्य पदार्थों में होने वाली मिलावट को दूर कर जन स्वास्थ्य की दिशा में मील का पथर साबित होगा। प्रदेश की खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की विशेष सचिव रेखा सिंह चौहान ने

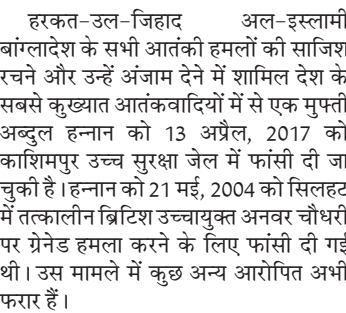
बताया कि मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में प्रदेश के सभी 18 मंडल मुख्यालयों पर फूड एंड ड्रग टेस्टिंग की उच्च तकनीकी क्षमता युक्त लैब स्थापित की जा रही है। इस पहल के तहत एक ओर तो प्रदेश में पहले से स्थापित टेस्टिंग लैबों को हाई टेक्नालॉजी युक्त बनाया जा रहा है तो वहीं दूसरी ओर 12 मंडलों में नई लैब बनाई जा रही हैं।

इनमें से लखनऊ, कानपुर, सहारनपुर, अयोध्या, अलीगढ़ और गोरखपुर में नई बिल्डिंग का निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है। टेस्टिंग मशीनों के इंस्टॉलेशन के साथ ही संभवतः जुलाई माह से इन लैबों में सैपल टेस्टिंग का कार्य शुरू हो जाएगा।

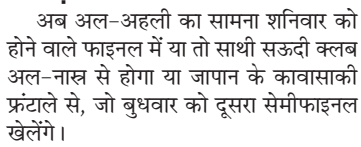
उन्होंने बताया कि इससे स्थानीय स्तर पर ही फूड एंड ड्रग सैफ्टी की उच्च गुणवत्तायुक्त जांच संभव हो सकेगी। वर्तमान में प्रदेश के लखनऊ, आगरा, मेरठ, झांसी, गोरखपुर और वाराणसी में खाद्य सुरक्षा और औषधि प्रशासन विभाग की सैपल टेस्टिंग लैब पहले से ही कार्य कर रही हैं। जबकि अलीगढ़,

आजमगढ़, प्रयागराज, कानपुर, चित्रकूट, देवीपाटन, अयोध्या, बस्ती, बेली, मिर्जापुर, मुरादाबाद, और सहारनपुर मंडल मुख्यालय में नई लैब बनाई जा रही है।

इसके साथ ही राजधानी लखनऊ में विभाग की नई बिल्डिंग का निर्माण हुआ है जिससे अब लखनऊ में खाद्य पदार्थ और ड्रग एनालिसिस अलग-अलग अंतरराष्ट्रीय मानकों के आधार पर संभव हो सकेगी। नई टेस्टिंग लैबों के लिए लैब टेक्नीशियन और लैब असिस्टेंट के लगभग 1200 नए पदों का सृजन हुआ है, जिनकी भर्ती कार्मिक विभाग जल्द ही सुनिश्चित करेगा। यूपी के सभी संभागों में फूड एंड ड्रग सैफ्टी टेस्टिंग लैब की स्थापना प्रदेश की दवा और खाद्य पदार्थों में होने वाली मिलावट की जांच क्षमता में कई गुना की वृद्धि लायेगा। खाद्य पदार्थों की सैपल टेस्टिंग की क्षमता लगभग 300 प्रतिशत बढ़कर वर्ष 2016-17 में 36,000 की तुलना में 1,08,000 प्रतिवर्ष हो जाएगी। इसके साथ ही दवाओं की सैपल टेस्टिंग क्षमता में भी 450 प्रतिशत वृद्धि होगी।



वाशिगटन । अमेरिका अपनी बात से मुक़ता है और झूठ भी बोलने में कोई कसर नहीं छोड़ता है । इसका ताजा उदाहरण पाकिस्तान का वो बयान है जिसमें उसने कहा था की अमेरिका के कहने पर 30 साल आतंकियों को पोषित किया है । इस मामले में जब अमेरिका से पूछा गया तो वो बगलें झांकने लगा और घुमा फिराकर बयान दिया । जहां वाइड हाउस की प्रेस ब्रिफिंग में इस बयान पर प्रतिक्रिया मांगी गई, तो अमेरिकी विदेश विभाग की प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने सीधा जवाब देने से बचते हुए कहा, हम भारत और पाकिस्तान दोनों देशों के विदेश मंत्रियों के संपर्क में हैं । हम क्षेत्र में स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं । ट्रंप प्रशासन ने इस तथ्यानुसार मालव के बीच दोनों देशों को बातचीत से समाधान निकालने की सलाह दी है । विदेश मंत्री मार्को रुबियो भारत और पाकिस्तान के अपने समकक्षों से शीघ्र बातचीत करेंगे । टैमी ब्रूस ने कहा, हम सभी पक्षों से आग्रह कर रहे हैं कि वे जिम्मेदार रहेगा अपनाएं । पूरी दुनिया इस स्थिति को देख रही है । उन्होंने यह भी बताया कि अमेरिका सिर्फ मंत्री-स्तर पर नहीं, बल्कि कई स्तरों पर भारत और पाकिस्तान के साथ संपर्क में है । बता दें कि पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ के हालिया सनसनीखेज कबुलनामे के बाद हड़कों में चला गया है ।



फॉर्म में नजर नहीं आए। उन्होंने केवल दो मुकाबले जीते जबकि चार में उन्हें हार झेलनी पड़ी। हालांकि रैंपिडब्रेक सेगमेंट में उनके बेहतरीन प्रदर्शन के चलते वह अब भी प्रमुख वचिपर-लाग्रेव और लेवोनोव अरोनियन के साथ संयुक्त रूप से तीसरे

हफ की शुरुआत में मिकेल मेरिनी का हेडर गेम में गया, लेकिन वीडियो सहायक रेपण्ड (वीएआर) ने उसे ऑफसाइड बताकर अमान्य तय



अमेरिका की अर्थव्यवस्था पर चीनी उत्पादों के उच्च शुल्क का असर

हांगकांग, 30 अप्रैल (एजेंसियां)।

चीन से विभिन्न उत्पादों के आयात पर लगाए गए अमेरिकी उच्च शुल्कों का असर अब दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था पर दिखाई दे रहा है। चीन के लॉजिस्टिक्स एंड परचेजिंग फेडरेशन ने जारी किया गया आधिकारिक सर्वेक्षण में बताया है कि अप्रैल में उत्पादों के निर्यात ऑर्डर में गिरावट आई है। अमेरिकी प्रशासन ने चीनी उत्पादों पर 145 प्रतिशत तक का शुल्क लगाने का आदेश दिया था,

अप्रैल में उत्पादों के निर्यात ऑर्डर में गिरावट आई

जिसका प्रभाव अब उसके निर्यात पर दिखाई दे रहा है। वहीं चीन ने इसके जवाब में अमेरिकी उत्पादों पर 125 प्रतिशत तक का शुल्क लगाया है। इस परिस्थिति में आधिकारिक विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) ने 16 महीनों का सबसे निचला स्तर दर्शाते हुए मार्च में 49.0

पर पहुंच गया। वित्तीय सूचना समूह कैविसन ने भी एक निजी सर्वेक्षण के माध्यम से बताया कि पीएमआई कम होकर 50.4 पर पहुंच गया है। इस विचार को लेकर कि कैपिटल इकोनॉमिस्ट ने कहा कि यह गिरावट व्यापक शुल्क के प्रभाव को दिखाती है, जो चीन की अर्थव्यवस्था पर दबाव डाल सकता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक अप्रैल में आपूर्ति और मांग में वृद्धि धीमी रही, निर्यात में कमी आई और रोजगार में थोड़ी कमी आई। विनिर्माताओं

ने भंडार कम करने की मांग की, रसद में देरी हुई और कोमतें दबाव में रहीं। निजी अर्थशास्त्रियों के अनुसार इस वर्ष और अगले वर्ष के लिए अर्थव्यवस्था के पूर्वानुमान में भी कमी आई है। कैपिटल इकोनॉमिस्ट के अनुमान के मुताबिक, 2025 में अर्थव्यवस्था केवल 3.5 प्रतिशत बढ़ेगी। इसके साथ ही, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने अमेरिका और वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं के लिए भविष्य के लिए भी कमी के संकेत दिए हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

जल जीवन है...

पश्चिमी नदियों पर सीजनल फ्लो-मैनिपुलेशन। रन-ऑफ-द-रिवर परियोजनाएं 7 /दिन तक प्रवाह रोक और छोड़ सकती हैं। बुआई के लिए यह दबाव काफी है। नए जल भंडारण बांध। बर्सर, रतले जैसी परियोजनाएं शुरू कर देना ही भविष्य की मारक क्षमता बढ़ा देता है, भले ही इनके निर्माण में दशक लगे। इन्हें सर्जिकल यानी नियंत्रित प्रतिरोधक बनाना जरूरी है, जिससे अंतरराष्ट्रीय कानून और नैतिकता दोनों का मान भी कायम रहे। भारत ने पहले भी निर्णायक प्रतिक्रियाएं की हैं।

उरी के बाद सर्जिकल स्ट्राइक, पुलवामा के बाद बालाकोट एयर-स्ट्राइक। विश्व मंच ने इन्हें संयमित, किन्तु संकल्पित करार दिया, क्योंकि इनमें जनहानि न्यूनतम रही। इसी संयम से भारत ने संयुक्त/ राष्ट्र में मसूद अजहर को वैश्विक आतंकी घोषित करवाया। आज जनता फिर कह रही है, आतंकवाद और पानी साथ साथ नहीं बह सकते तो सरकार ने भरोसा दिया है, हम आतंकियों का पृथ्वी के अंतिम छोर तक पीछा करेंगे।

कुछ आलोचकों का कहना है कि भारत का यह कदम चीन को उकसा सकता है। चीन ब्रह्मपुत्र नदी का उद्गम तिब्बत में नियंत्रित करता है, इसके प्रवाह को रोक सकता है या बांध बनाकर भारत के पूर्वोत्तर राज्यों असम, अरुणाचल प्रदेश में बाढ़ या जल संकट पैदा कर सकता है। ये आशंकाएं सतही तौर पर तार्किक लगती हैं, लेकिन वैश्विक व्यापार और कूटनीति का गणित समझने पर यह स्पष्ट होता है कि चीन के लिए ऐसी कार्रवाई उतनी आसान नहीं है। आज की दुनिया में युद्ध केवल हथियारों से नहीं, बल्कि व्यापार और अर्थव्यवस्था से लड़ा जाता है।

भारत और चीन के बीच द्विपक्षीय व्यापार 2024 में 136 अरब डॉलर से अधिक था, जिसमें भारत चीन से इलेक्ट्रॉनिक्स, मशीनरी और रसायनों का आयात करता है, जबकि चीन भारतीय कच्चे माल और वस्तुओं पर निर्भर है। यह व्यापारिक रिश्ता दोनों देशों के लिए लाभकारी है। चीन के लिए आर्थिक प्रगति सर्वोपरि है, इसलिए वह इसे जोखिम में डालने से बचेगा। गलवान घाटी में 2020 के संघर्ष के बाद भी जब दोनों देशों के बीच तनाव चरम पर था, भारत ने दृढ़ता दिखाई, लेकिन व्यापार पूरी तरह बंद नहीं हुआ। कारण स्पष्ट है, चीन जानता है कि भारत जैसे विशाल बाजार को खोना उसकी अर्थव्यवस्था के लिए आत्मघाती होगा।

चीन की ब्रह्मपुत्र पर बांध बनाने की योजनाएं पुरानी हैं। 2020 में उसने यरलुंग जंगबो (ब्रह्मपुत्र का तिब्बती नाम) पर मेगा-हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट की घोषणा की थी। लेकिन ये परियोजनाएं मुख्य रूप से ऊर्जा उत्पादन के लिए हैं, न कि भारत के खिलाफ जल हथियारीकरण के लिए। यदि चीन ब्रह्मपुत्र के प्रवाह को रोकता है, तो यह न केवल भारत, बल्कि बांग्लादेश को भी प्रभावित करेगा, जिससे क्षेत्रीय अस्थिरता बढ़ेगी। इससे चीन की वैश्विक छवि को नुकसान होगा और दक्षिण एशियाई देशों में उसका प्रभाव कम होगा। इसके अलावा, भारत ने जल प्रबंधन में अपनी क्षमता बढ़ाई है। असम और अरुणाचल में बांध व जलाशयों का निर्माण और जलवायु परिवर्तन के अनुकूल तकनीकों का उपयोग, भारत को किसी भी संभावित जल संकट से निपटने में सक्षम बनाता है।

आज के युग में संबंध हितों पर टिके हैं। चीन बेल्ट एंड रोड पहल और वैश्विक व्यापार में प्रभुत्व चाहता है, इसलिए भारत के साथ टकराव से बचेगा। 1962 के युद्ध के बाद भी दोनों देशों ने 1988 में राजीव गांधी की बीजिंग यात्रा और 2003 में अटल बिहारी वाजपेयी के दौरै जैसे कदमों से तनाव कम किया। हाल के वर्षों में भारत ने काड (अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया) और ब्रिक्स जैसे मंचों पर अपनी स्थिति मजबूत की है। चीन को अहसास है कि भारत के साथ खुले टकराव से उसे नुकसान ही होगा। पाकिस्तान का मामला अलग है। उसकी अर्थव्यवस्था चमराई हुई है और वह आतंकवाद को राज्य नीति के रूप में इस्तेमाल करता है। सिंधु जल संधि निलंबन ऐसा कदम है, जो पाकिस्तान को आर्थिक व कूटनीतिक रूप से कमजोर करेगा। पाकिस्तान का सदाबहार मित्र होने का दावा करने वाले चीन द्वारा उसकी मदद के लिए जल युद्ध शुरू करने की संभावना कम है।

इजराइल की गोल्डा मेयर ने म्यूनिख नरसंहार के बाद ऑपरेशन रैथ ऑफ गाॅड चला कर आतंकियों का सफाया किया तो देश ने राहत की सांस ली। 1971/ के युद्ध में इंदिरा गांधी ने अत्याचार झेलते पूर्वी पाकिस्तानियों को मुक्त कराया और जनता ने अभूतपूर्व समर्थन दिया। ये घटनाएं बताती हैं कि

जब नेतृत्व जनभावनाओं के साथ खड़ा होता है, तो रणनीति को नैतिक बल मिलता है। आने वाले दिनों में भारत बहुआयामी जवाब दे सकता है-लक्षित सैन्य अभियान, आर्थिक-कूटनीतिक घेराबंदी और वैश्विक मंच पर पाकिस्तान को अलग-थलग करना। इसके साथ कश्मीर में विकास व विश्वास-निर्माण भी तेज करना होगा, जिससे आतंकियों की जमीन खिसके। संक्षेप में, पानी की नल-बंदी अकेला समाधान नहीं, यह उस व्यापक रणनीतिक शतरंज की एक चाल है, जहां हर मोहरा (कूटनीति, सैन्य, आर्थिक, तकनीकी) संतुलित चले।

जब दो राष्ट्र एक ही नदी का पानी पीते हैं, तो वे सदा के लिए बंध जाते हैं या तो सहयोग की धार से या पानी के नीचे के उल्टे प्रवाह से। निर्णय पानी का नहीं, उन हाथों का होता है जो उसका प्रवाह साधते हैं। जल तलवार भी है, पर कुशल हाथों में वही शल्य-चिकित्सक का चाकू बन सकता है, जो आतंक के फोड़े को चीरे, पर क्षेत्रीय शांति की धमनियां सलामत रखे।

सारे रिटायर ...

जिसमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल और तीनों सेनाओं के प्रमुख शामिल हुए थे। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान भी इस बैठक का हिस्सा थे। बैठक करीब डेढ़ घंटे तक चली थी। बैठक में प्रधानमंत्री ने कहा कि आतंकवाद पर करारी चोट करना हमारा राष्ट्रीय संकल्प है। पीएम मोदी ने सशस्त्र बलों की पेशेवर क्षमताओं पर पूरा विश्वास और भरोसा जताया। प्रधानमंत्री ने कहा, उन्हें (सशस्त्र बलों को) हमारी प्रतिक्रिया के तरीके, लक्ष्य और समय तय करने की पूरी स्वतंत्रता है।

आम ...

इससे यह सुनिश्चित होगा कि समाज आर्थिक और सामाजिक दृष्टि से मजबूत होगा और देश का विकास भी निर्बाध रूप से चलती रहेगी।

जनगणना 1951 से प्रत्येक 10 साल के अंतराल पर की जाती थी, लेकिन 2021 में कोरोना महामारी के कारण जनगणना टल गई थी। राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (एनपीआर) को भी अपडेट करने का काम बाकी है।

अभी तक जनगणना की नई तारीख का आधिकारिक तौर पर ऐलान नहीं किया गया है। जनगणना के आंकड़े 2026 में जारी किए जाएंगे। इससे भविष्य में जनगणना का चक्र बदल जाएगा। जैसे 2025-2035 और फिर 2035 से 2045। जनगणना के आंकड़े सरकार के लिए नीति बनाने और उन पर अमल करने के साथ-साथ देश के संसाधनों का समान वितरण सुनिश्चित करने के लिए बेहद अहम होते हैं।

जनगणना के आंकड़े सरकार के लिए नीति बनाने और उन पर अमल करने के साथ-साथ देश के संसाधनों का समान वितरण सुनिश्चित करने के लिए बेहद अहम होते हैं। इससे न सिर्फ जनसंख्या बल्कि जनसांख्यिकी, आर्थिक स्थिति कई अहम पहलुओं का पता चलता है। विपक्षी कांग्रेस समेत तमाम सियासी पार्टियां जाति जनगणना की मांग कर रहे हैं, ताकि देश में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की कुल संख्या का पता चल सके।

भारत में हर दस साल में जनगणना होती है। पहली जनगणना 1872 में हुई थी। 1947 में आजादी मिलने के बाद पहली जनगणना 1951 में हुई थी और आखिरी जनगणना 2011 में हुई थी। आंकड़ों के मुताबिक, 2011 में भारत की कुल जनसंख्या 121 करोड़ थी, जबकि लिंगानुपात 940 महिलाएं प्रति 1000 पुरुष और साक्षरता दर 74.04 फीसदी था।

पाकिस्तान ..

अलावा भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ रहे तनाव को दूर करने को लेकर भी बात हुई। रूस का आधिकारिक रूप से यह कहना है कि भारत और पाकिस्तान आपस का विवाद शांतिपूर्ण तरीके से दूर करें।

इससे पूर्व रूस के उप विदेश मंत्री भारतीय राजदूत के साथ अपनी भेंट के बाद कह चुके थे कि दक्षिण एशिया की ताजा परिस्थितियों पर विस्तार से बात हुई है। भारत ने भी इस बात की तस्दीक की है कि रूस साझा रूप से आतंकवाद को खत्म करने के लिए तैयार है।

क्लास ...

उन्में से ज्यादातर आम आदमी पार्टी से जुड़े हुए लोग शामिल थे। आरोप है कि इन्हीं लोगों से

मिलीभगत कर घटिया स्तर की कक्षाओं का निर्माण कराकर वित्तीय गड़बड़ी की गई। इसमें बच्चों की सुरक्षा को भी दांव पर लगाया गया। कई जगहों पर किसी कक्षा का निर्माण नहीं किया गया, लेकिन टॉयलेट को एक कक्षा बताकर उसकी कीमत को भी जनता के पैसे से वसूल किया गया था। भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया है कि दिल्ली की तत्कालीन सरकार ने एक ही स्कूल में चार-चार शिफ्ट में स्कूल चलाकर स्कूलों की संख्या बढ़ाकर दिखाई थी।

इस मामले को जनता के सामने उठाने का काम भाजपा नेता नीलकांत बख्शी, वर्तमान में दिल्ली सरकार में मंत्री कपिल मिश्रा और भाजपा विधायक हरीश खुराना ने किया था। भाजपा नेता नीलकांत बख्शी ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने सत्ता में आने के बाद शिक्षा को अपनी सबसे बड़ी उपलब्धि बताई थी। लेकिन अब इसकी कलाई खुल गई है। यह सामने आ गया है कि बेहतर शिक्षा देने के दावे के पीछे एक संगठित गिरोह बनाकर जनता के पैसे की भारी लूट की गई। इस दौरान बच्चों की सुरक्षा को भी दांव पर लगा दिया गया।नीलकांत बख्शी ने कहा कि आज भी कड़ी-कुंडी तरीके से एक सामान्य कमी में छत ढालने का खर्च चार-पांच लाख रुपए आता है, लेकिन आम आदमी पार्टी की सरकार ने इसका खर्च 25 से 30 लाख रुपए दिखाया। इससे आम आदमी पार्टी का भ्रष्टाचार सामने आ गया है। उन्होंने कहा कि यह बच्चों की जिंदगी के साथ खिलवाड़ है और शराब घोटाले से पहले मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन इस मामले में जेल जाएंगे। आम आदमी पार्टी की ओर से खबर लिखे जाने तक इस मामले पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई।

भारतीय ...

रणनीतिक महत्त्व दोनों सुनिश्चित होते हैं।

पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान के साथ बढ़े तनाव के बीच इस डील का स्पष्ट संदेश है कि भारत अब वायुसेना और सेना के साथ अपनी नौसेना को भी पूरी मजबूती प्रदान करने को संकल्पबद्ध है। भारत-फ्रांस के बीच इस समझौते में केवल विमान खरीदने तक ही बात सीमित नहीं है बल्कि इसमें एक व्यापक औद्योगिक और तकनीकी सहयोग का भी प्रावधान है। भारत और फ्रांस के बीच हुए इस समझौते में राफेल मरीन पर भारत में विकसित एस्ट्रा बियाॅन्ड विजुअल रेंज एयर-टू-एयर मिसाइल को एकीकृत करने की योजना है, जिससे भारत की स्वदेशी हथियार प्रणालियों को बढ़ावा मिलेगा और आत्मनिर्भरता की दिशा में यह एक ठोस कदम होगा। साथ ही, विमान के विभिन्न घटकों के निर्माण, रखरखाव, मरम्मत और ओवरहाल के लिए भारत में एमआरओ (मैटेनेंस, रिपेयर, ओवरहोल) सुविधाओं की स्थापना भी की जाएगी, जिससे न केवल घरेलू रक्षा उद्योग को गति मिलेगी बल्कि बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे। समझौते में यह भी तय किया गया है कि डिलीवरी अनुबंध की तारीख से 37 महीने बाद शुरू होगी और 66 महीनों के भीतर पूरी कर दी जाएगी। इस प्रकार, पहला राफेल मरीन विमान 2028 के मध्य तक भारत पहुंच जाएगा और 2030 तक सभी विमानों की आपूर्ति पूरी कर ली जाएगी। 26 विमानों में से 22 सिंगल सीटर होंगे, जो ऑपरेशनल मिशन में इस्तेमाल होंगे जबकि चार ट्विन सीटर ट्रेनिंग वर्जन होंगे, जो नौसैनिक पायलटों को प्रशिक्षण देने के लिए उपयोग में लाए जाएंगे। यह महत्वपूर्ण है कि ट्विन सीटर ट्रेनर जेट्स को विमानवाहक पोत से संचालित नहीं किया जाएगा क्योंकि वे तकनीकी दृष्टिकोण से वाहक संगत नहीं होते।भारत का यह कदम न केवल एक सैन्य अधिग्रहण है बल्कि एक कूटनीतिक संदेश भी है। इस डील जिस समय पर हस्ताक्षर हुए, ठीक उसी समय पाकिस्तान ने अपने नौसेना बेड़े में चीन से प्राप्त चार युद्धपोतों को शामिल किया था। इसके अलावा चीन अपनी नौसैनिक शक्ति को लगातार बढ़ा रहा है, विशेष रूप से हिंद महासागर क्षेत्र में उसकी मौजूदगी चिंता का विषय बन चुकी है। चीन के पास अब तीन से अधिक विमानवाहक पोत हैं और वह भारत की समुद्री सीमाओं के आसपास उपस्थिति बनाए रखने की कोशिश करता रहा है। ऐसे समय में राफेल मरीन का अधिग्रहण भारत की एक ठोस प्रतिक्रिया है, जिससे स्पष्ट संदेश जाता है कि भारत अपनी समुद्री सीमाओं की रक्षा के लिए तैयार है और वह आधुनिक हथियारों, उच्च तकनीक तथा प्रभावी रणनीति के साथ क्षेत्र में अपनी स्थिति को सुदृढ़ बनाए रखेगा। यह डील भारत और फ्रांस के बीच

बढ़ते रक्षा सहयोग का भी प्रतीक है। इससे पहले भारत ने फ्रांस से 36 राफेल विमान वायुसेना के लिए खरीदे थे, जिनकी डिलीवरी समय पर और बिना किसी विवाद के की गई। इस सहयोग की सफलता ने नौसेना के लिए भी फ्रांस को एक विश्वसनीय साझेदार के रूप में स्थापित कर दिया है। यह द्विपक्षीय रक्षा संबंधों की मजबूती का प्रमाण है कि भारत और फ्रांस ने अब सिर्फ उपकरणों की खरीद-बिक्री तक खुद को सीमित नहीं रखा है बल्कि प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, संयुक्त उत्पादन, और सामरिक साझेदारी की ओर भी कदम बढ़ा दिए हैं। आने वाले वर्षों में दोनों देशों के बीच नौसेना अभियानों में सहयोग, संयुक्त युद्धाभ्यास और इंटरलैंसेंस साझेदारी भी बढ़ने की संभावना है।वर्तमान में भारतीय नौसेना दो प्रमुख विमानवाहक पोतों (आईएनएस विक्रमादित्य और आईएनएस विक्रान्त) का संचालन कर रही है। इन पोतों से मिग-29के विमान संचालित किए जा रहे हैं, जो अब तकनीकी रूप से पुराने हो चुके हैं और उनकी परिचालन क्षमता भी समय के साथ घट रही है। इन परिस्थितियों में नौसेना के लिए एक उन्नत, बहुआयामी लड़ाकू विमान की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी। राफेल मरीन इसी आवश्यकता को पूरा करने के लिए सबसे उपयुक्त साबित होगा। डसॉल्ट एविएशन द्वारा निर्मित यह विमान पहले से ही भारतीय वायुसेना के बेड़े में अपनी उपयोगिता और विश्वसनीयता साबित कर चुका है। अब इसके मरीन वर्जन को नौसेना में शामिल करना रणनीतिक रूप से तार्किक कदम है। राफेल मरीन की सबसे बड़ी विशेषता इसका मल्टी-रोल क्षमताओं से लैस होना है। यह विमान हवा से हवा में, हवा से जमीन पर और हवा से समुद्र में लक्ष्य भेदने में सक्षम है। इसमें मेटियोर मिसाइल, स्कैल्प क्रूज मिसाइल, हैमर स्मार्ट बम जैसे आधुनिक हथियार तैनात किए जा सकते हैं। राफेल मरीन हवा में ईंधन भरने की क्षमता, स्टीलथ तकनीक, उन्नत एवियोनिक्स, एक्टिव इलैक्ट्रॉनिक स्कैन एंरे रडार और सटीक लक्ष्यान्वेषण प्रणाली जैसी विशेषताओं से सुसज्जित है। यह विमान अत्यधिक संकरी जगहों से भी उड़ान भर सकता है और बहुत कम रनवे पर लैंड कर सकता है, जो एक विमानवाहक पोत पर संचालन के लिए अत्यंत आवश्यक विशेषता है। साथ ही यह विभिन्न मौसमों में ऑपरेशन के लिए उपयुक्त है और उच्च समुद्री परिस्थितियों में भी अपनी मारक क्षमता बनाए रखता है।राफेल मरीन विमान विशेष रूप से लंबी दूरी तक लक्ष्यों को भेदने में सक्षम है, जिससे भारत की स्ट्राइक क्षमता बढ़ेगी। यह 3700 किलोमीटर तक उड़ान भर सकता है और हवा में ही ईंधन भर सकता है। इसकी यह क्षमता इसे दूरदराज के समुद्री क्षेत्रों में भी ऑपरेशन करने में सक्षम बनाती है। यह चीन की तथाकथित पर्ल ऑफ स्ट्रिंग्स नीति को प्रभावी तरीके से जवाब देने का एक रणनीतिक औजार भी है, जिसके अंतर्गत चीन ने श्रीलंका, पाकिस्तान, मालदीव और म्यांमार जैसे देशों में नौसैनिक आधार विकसित करने की कोशिश की है। राफेल मरीन की क्षमताओं की तुलना जब मिग-29के से की जाती है तो स्पष्ट होता है कि यह विमान तकनीकी, सामरिक और ऑपरेशनल दृष्टिकोण से बहुत अधिक उन्नत है। मिग-29के की सीमित रेंज, कम मिसाइल कैरिंग क्षमता और अपेक्षाकृत कम अविश्वसनीयता के कारण इसे अब धीरे-धीरे सेवा से बाहर किया जा रहा है। इसके विपरीत, राफेल मरीन में दुश्मन के रडार से बच निकलने की क्षमता, सटीक टारगेटिंग सिस्टम और लंबी रेंज के हथियार इसे एक घातक समुद्री फाइटर बनाते हैं। इसके जरिए भारत अब अपने विमानवाहक पोतों को एक बार फिर से संपूर्ण रूप से युद्ध-तैयार बना सकेगा। राफेल मरीन के आने से भारतीय नौसेना की संयुक्त संचालन क्षमता में वृद्धि होगी। भारतीय वायुसेना पहले से ही राफेल विमान संचालित कर रही है, जिससे दोनों बलों के बीच ऑपरेशनल तालमेल आसान हो जाएगा। इससे लॉजिस्टिक सपोर्ट, प्रशिक्षण, रखरखाव और स्पेयर पार्ट्स की आपूर्ति जैसी चीजें साझा हो सकेंगी, जिससे लागत कम होगी और प्रभावशीलता बढ़ेगी। यह समन्वय भारत के तीनों सैन्य अंगों के एकीकृत संचालन की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है।राफेल मरीन डील के समांतर भारत अमेरिका से भी 3.5 बिलियन डॉलर के समझौते के तहत 31 एमक्यू-9बी प्रीडेटर ड्रोन खरीद रहा है,

जिनमें से 15 नौसेना के लिए होंगे। इन दोनों समझौतों के एक साथ अमल में आने से भारतीय नौसेना को आसमान और समुद्र दोनों में निगरानी और हमला करने की अद्वितीय शक्ति प्राप्त होगी। आने वाले समय में भारत को अपनी समुद्री रणनीति को और अधिक समग्र बनाने की आवश्यकता है। ऐसे में राफेल मरीन जैसे लड़ाकू विमान उस रणनीति का महत्वपूर्ण स्तंभ बन सकते हैं लेकिन इसके साथ-साथ देश को अपने स्वदेशी परियोजन-13ों पर भी ध्यान देना होगा। डीआरडीओ द्वारा विकसित किया जा रहा ट्विन इंजन डेक-बेस्ड फाइटर इस दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसे 2032 तक संचालन के लिए तैयार करने की योजना है। यदि यह परियोजना सफल होती है तो भारत अपनी नौसेना के लिए पूरी तरह से स्वदेशी विमान विकसित करने वाले चुनिंदा देशों में शामिल हो जाएगा।

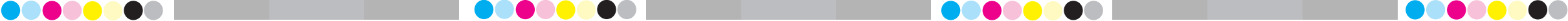
कुल मिलाकर, राफेल सौदा भारत की आत्मनिर्भरता की नीति के अनुरूप भी है। जहां एक ओर फ्रांस से विमान खरीदे जा रहे हैं, वहीं इसके साथ भारत में एमएसएमई सेक्टर को जोड़ने, तकनीकी हस्तांतरण और स्वदेशी हथियार प्रणालियों के एकीकरण की योजना भी सुनिश्चित की गई है। इससे मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसी पहल को मजबूती मिलेगी। भारत धीरे-धीरे एक ऐसे रक्षा खरीदी मॉडल की ओर बढ़ रहा है, जो विदेशी सहयोग के साथ-साथ घरेलू निर्माण को भी प्रोत्साहित करता है। राफेल मरीन डील केवल एक सैन्य खरीद नहीं है बल्कि भारत की भविष्य की रक्षा रणनीति, उसकी भू-राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं और तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में एक निर्णायक कदम है। इससे भारत की नौसेना को न केवल अपनी सीमाओं की रक्षा करने में सक्षम बनाया जाएगा बल्कि हिंद महासागर क्षेत्र में एक प्रभावी शक्ति के रूप में उभरने में भी सहायता मिलेगी। आने वाले वर्षों में यह सौदा भारत के समुद्री भविष्य की नींव साबित होगा।

भारत के ...

बलूचिस्तान, खैबर पखूनख्वा, वजीरिस्तान और तालिबान-नियंत्रित सीमा क्षेत्रों में उग्रवादी आंदोलनों के और भी मजबूत होने के साथ-साथ इसकी आंतरिक दरारें भी बढ़तर होती जा रही हैं।एसयू-30एमकेआई सिर्फ एक और लड़ाकू विमान नहीं है; यह भारत की तकनीकी शक्ति और रक्षा आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। भारत के हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) और रूस के सुखोई डिज़ाइन ब्यूरो द्वारा संयुक्त रूप से विकसित एसयू-30एमकेआई आज घातक स्तर की क्षमता पा चुका है। आज 260 से ज्यादा एसयू-30एमकेआई भारतीय वायुसेना की सेवा में हैं। यह भारत का सबसे बड़ा लड़ाकू बेड़ा है, जो हवाई श्रेष्ठता से लेकर रणनीतिक बमबारी और समुद्री अभियानों तक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

एसयू-30एमकेआई को भारत की अनूठी परिचालन आवश्यकताओं के तहत अत्यधिक अनुकूलित किया गया है। भारत के रक्षा योजनाकारों ने हिमालय जैसे चुनौतीपूर्ण इलाकों में निरंतर उच्च-ऊंचाई वाले अभियानों के मुताबिक इस विमान में संशोधनों की सिफारिश की थी। संशोधनों के साथ एसयू-30एमकेआई में रूस, इजराइल, फ्रांस और स्वदेशी भारतीय प्रणालियों की तकनीकों का बेहतर मिश्रण शामिल है।

विमानन विशेषज्ञों का कहना है कि एसयू-30एमकेआई की वायुगतिकीय श्रेष्ठता और नियंत्रण सटीकता को पाकिस्तान वायुसेना कम्पीट नहीं कर सकती। हवा से हवा, हवा से जमीन और हजाज रोधी मिसाइलों से लैस यह जेट अपने 12 हाईड्रॉपैंट पर आठ टन तक का पेलोड ले जा सकता है। खास बात यह है कि यह रूसी मूल की मिसाइलों जैसे कि आर-73 और आर-77 के साथ-साथ भारत में विकसित हथियार जैसे हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइल और ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल भी दाग सकता है। एसयू-30एमकेआई में पश्चिमी तकनीकों का समावेश है, जिसमें फ्रांसीसी नेविगेशन सिस्टम और भारतीय मिशन कंप्यूटर शामिल हैं, जो इसे ऑपरेशनल लचीलापन देता है, जो पाकिस्तान के लड़ाकू विमानों में नहीं है। सिस्टम का यह मिश्रण सुनिश्चित करता है कि एसयू-30एमकेआई पारंपरिक युद्ध परिदृश्यों और उच्च-प्रौद्योगिकी, नेटवर्क-केंद्रित युद्ध दोनों में प्रतिद्वंद्वियों से आगे रहे।



किरदार के बारे में अभिनेत्री ने बताया, पृथ्वीराज के साथ राजमाता का रिश्ता खूबसूरत है। वह उनकी मार्गदर्शक और सहारा हैं। इस तरह के मजबूत किरदार को स्क्रीन पर जीवंत करना सम्मान की बात है और मुझे उम्मीद है कि दर्शक इस किरदार के साथ उतनी ही गहराई से जुड़ेंगे, जितनी मैं जुड़ी हूँ। (चक्रवर्ती सम्राट पृथ्वीराज चौहान ऐतिहासिक टीवी शो है, जो पृथ्वीराज चौहान की यात्रा को दिखाता है। टीवी शो में पद्मिनी कोल्हापुरी के साथ अनुजा साठे, रोहित भूमिकाओं में हैं। शो का प्रीमियर जल्द ही सोनी

खेलो इंडिया यूथ गेम्स की तैयारियों का सीएम नीतीश ने लिया जायजा

अधिकारियों को दिए कई निर्देश

गया (एजेंसियां)। खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 की तैयारी का जायजा लेने बुधवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गया एयरपोर्ट पहुंचे। कड़ी सुरक्षा के बीच गया एयरपोर्ट से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सड़क मार्ग से बोधगया के महाबोधि राज्य अतिथि गृह आए। जहां पार्टी के वरिष्ठ नेता और अधिकारियों ने स्वागत किया। इसके बाद कम कड़ी सुरक्षा के बीच गया के डिपार्टमेंट में खेलो इंडिया की तैयारी का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को खेलो इंडिया यूथ गेम्स में विभिन्न राज्यों से आने वाले खिलाड़ियों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो और खेल आयोजन में कोई कमी ना रह



जाए इसके लिए कई दिशा निर्देश दिया। निरीक्षण के क्रम में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार साथ खेलों के खिलाड़ियों और उनके कोच से मुलाकात की। इस दौरान सभी खिलाड़ियों के कोच से बातचीत की। विभिन्न राज्यों से

आए खिलाड़ियों ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सामने अपने खेल का प्रदर्शन किया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बुधवार को बोधगया में अत्याधुनिक 110 कमरों का बना राज्य अतिथि गृह निवास के उद्घाटन के

बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि देश-विदेश से बड़ी संख्या में लोग बोधगया आते हैं। उन लोगों को कहीं रहने का जगह नहीं था। तुरंत लौटकर चले जाते थे। इसलिए हम जानकर बनवाएं, यहां पर 100

लोगों को रहने का व्यवस्था है। जो बाहर के लोग आएंगे, वह जाकर रुकेंगे और देखेंगे। यह काम हम पहले से ही कर रहे थे। अभी इतना अच्छा हो गया है कि देश-विदेश से आने वाले लोग यहां रुक कर गया जी के महत्व को जानेंगे। यह उनके लिए सुविधा है। इस निर्माण कार्य को देखने हम बाहर आते थे, आज पूरा हो गया।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 के तहत गया में 3 से 15 मई तक सात प्रकार के खेल का आयोजन होना है। गया के दो स्थलों पर खेला इंडिया यूथ गेम्स आयोजित होगी।

गया के बिपार्ड परिसर में तैराकी, खो-खो, यांगटा खेल प्रतियोगिता आयोजित होगी। वहीं बोधगया के आईआईएम कैम्पस में मलखंब, क्यारिपट्ट और योगासन खेल का आयोजन किया जाएगा।

नशे में धुत प्रधानाध्यापक को पुलिस ने स्कूल से किया गिरफ्तार

बेंच-डेस्क और चावल बेचने का आरोप

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। मोतिहारी में शराब के नशे में धुत प्रधानाध्यापक को उत्क्रमित मध्य विद्यालय खरुही बारा फरीद उर्दू विद्यालय से पुलिस ने मंगलवार को ग्रामीणों की सूचना पर कुंडवा पुलिस ने विद्यालय परिसर पहुंच कर प्रधानाध्यापक को गिरफ्तार कर लिया। नशेबाज प्रधानाध्यापक अपने विद्यालय के शिक्षकों से दारू पीकर बच्चों की फर्जी उपस्थिति बनाने के दबाव बना रहा था। साथ ही बकझक और गाली गलौज कर रहा था।

दरुबाज प्रधानाध्यापक ढाका प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय खरुही बारा फरीद उर्दू के रामस्वार्थ प्रसाद बताए जा रहे हैं। जटवलिचा पंचायत के सरपंच खरुही बारा फरीद निवासी मोहम्मद एकरामुल हक ने बताया कि इसके पहले भी उक्त प्रधानाध्यापक पर मध्याह्न भोजन



का चावल और बेंच-डेस्क बेचने का आरोप है। इसको लेकर ग्रामीणों ने संबंधित विभाग के पदाधिकारियों के यहां शिकायत कर चुके हैं।

साथ ही पिछले 21 अप्रैल को विद्यालय के विधि व्यवस्था से क्षुब्ध ग्रामीणों ने विद्यालय में तालाबंदी की थी।

इसकी सूचना वरिय पदाधिकारियों को दुरभाष पर दिया था। गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए कुंडवा चैनपुर थानाध्यक्ष राकेश कुमार राय ने बताया, शराब पीने

की जांच सही पाई गई है। मामले में कांड दर्ज कर गिरफ्तार प्रधानाध्यापक को उत्पाद न्यायालय मोतिहारी भेजा जा रहा है।

मामले में प्रभारी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी सह बीपीआरओ ढाका रविकान्त कुमार ने बताया कि सारी घटनाक्रम और वस्तु-स्थिति से जिला शिक्षा पदाधिकारी को अवगत करा दिया गया है। आगे वरिय पदाधिकारियों के दिशा-निर्देश के आलोक में कार्रवाई की जाएगी।

कोर्ट में पेश हुए बिहार के बाहुबली पूर्व विधायक मुन्ना शुक्ला, जेल से सीधे पहुंचे न्यायालय

वैशाली (एजेंसियां)। हाजीपुर कोर्ट ने कहा, बाहुबली पूर्व विधायक मुन्ना शुक्ला हाजिर हो और मुन्ना शुक्ला हाजीपुर कोर्ट पहुंचे। वे एक मामले में हाजिरी देने पहुंचे थे। बताया गया कि पुराने मामले में मुन्ना शुक्ला को कोर्ट ने हाजिर होने का आदेश दिया था। उसके बाद बाहुबली पूर्व विधायक हाजीपुर पहुंचकर हाजिरी लगाया। बताया गया कि मुन्ना शुक्ला अभी पटना जेल में बंद हैं। बता दें कि लगभग 26 साल पहले बृजबिहारी हत्याकांड हुआ था। उस समय बृजबिहारी प्रसाद विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री व राजद के वरिष्ठ नेता थे। उनकी हत्या पटना के आईजीआईएमएस में गोलीयों से भूनकर कर दी गई



थी। इस हत्याकांड में मुन्ना शुक्ला और सूरजभान सिंह सहित कई लोगों को आरोपी बनाया गया था।

इस कांड में अब कोर्ट फैसला आने के बाद मुन्ना शुक्ला को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। इसके बाद मुन्ना शुक्ला पटना कोर्ट में सेंडर कर दिए। जहां से उनको पटना के

बेउर जेल भेज दिया गया है। लेकिन जैसे ही कोर्ट में मुन्ना शुक्ला के आने की खबर फैली, वैसे ही भारी संख्या में समर्थक हाजीपुर कोर्ट पहुंचे और मुन्ना शुक्ला के साथ फोटो और वीडियो बनाते दिखे।

वहीं, हाजीपुर कोर्ट में भारी संख्या में पहुंचे समर्थक और मुन्ना शुक्ला का समर्थन के प्रति प्यार

झलक रहा था। वहीं, मुन्ना शुक्ला बारी-बारी से कोर्ट में मौजूद समर्थकों से मुलाकात किए, जिसके बाद कोर्ट में हाजिरी हुई, फिर वापस पटना लौट गए। मुन्ना शुक्ला को भारी सुरक्षा के बीच हाजीपुर कोर्ट में पेशी के लिए लाया गया था। मुन्ना शुक्ला मीडिया से बात करने से बचते दिखे।

26/11 हमले की जांच करने वाले देवेन भारती बने मुंबई के पुलिस कमिश्नर

बिहार के दरभंगा से कनेक्शन

दरभंगा (एजेंसियां)। बिहार में दरभंगा जिले के लाल ने एक बार फिर महाराष्ट्र पुलिस कमिश्नर बनकर मिथिला का नाम रोशन किया है।

महाराष्ट्र पुलिस में देवेन भारती को मुंबई पुलिस कमिश्नर बनाया गया है। पुलिस कमिश्नर बने देवेन भारती ललित नारायण मिथिला विश्विद्यालय के पूर्व हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. भारती श्रीवास्तव और त्रिपुरारी शरण के सबसे बड़े बेटे हैं।

बताया जाता है पूर्व 26/11 में मुंबई में हुए आतंकी हमले के बाद देवेन भारती ने काफी बड़-चढ़कर काम किया था। समझा जा रहा है कि इसी का इनाम उन्हें आज



मुंबई पुलिस कमिश्नर बनाकर दिया गया है।

प्रो. भारती श्रीवास्तव दरभंगा जिले के नगर थाना क्षेत्र के मिर्जापुर मोहल्ले के रहने वाले हैं। बताया जाता है कि देवेन भारती पांच भाई बहन में सबसे बड़े हैं। इनकी तीन बहनें हैं, जबकि सबसे छोटा एक भाई भी है। हालांकि, उनके माता पिता का निधन हो चुका है। मुंबई के 26/11 के

आतंकवादी हमले में शामिल अजमल कसाब को फांसी दिलाने में उनका अहम रोल माना जाता है। देवेन भारती साल 1994 बैच के खड्डा अधिकारी हैं। विवेक फणसालकर के रिटायर होने के बाद चर्चा थी कि पद किसे मिलेगा। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी सदानंद दाते, संजय कुमार वर्मा, रितेश कुमार और महिला पुलिस अधिकारी अर्चना

त्यागी का नाम भी पुलिस कमिश्नर की रेस में था। साल 2014 से 2019 के बीच फंडणवीस सरकार के कार्यकाल के दौरान देवेन कई अहम पदों पर तैनात रहे थे। वह गढ़चिरोली में एसपी के रूप में भी तैनात थे और बाद में उन्होंने अमरावती और अकोला सहित महाराष्ट्र के कई जिलों में बतौर एसपी सेवाएं दीं।

साल 1998 से 2003 के बीच उन्हें खुफिया विभाग में भी सेवाएं दीं। 29 साल के करियर में भारती ज्यादातर मुंबई शहर में पोस्टेड रहे। साल 2019 में लोकसभा चुनाव के दौरान उन्हें कुछ महीने के लिए संयुक्त आयुक्त आर्थिक अपराध शाखा में ट्रांसफर कर दिया गया और बाद में महाराष्ट्र पुलिस के एटीएस प्रमुख के रूप में नियुक्त किया गया था।

शराबबंदी के बाद गांजा तस्करी बढ़ी

नेपाल से लाई जा रही अधिक मात्रा में गांजे की खेप एसएसबी ने पकड़ा

सीतामढ़ी (एजेंसियां)। बिहार में शराबबंदी के बाद से गांजे की तस्करी और बढ़ गई है। अब तस्कर नेपाल से गांजा लाकर यहां बेच रहे हैं। दरअसल, नेपाल में गांजे की खेती बड़े पैमाने पर होती है। भारतीय तस्कर नेपाल से गांजा लाकर यहां बेचते हैं। बिहार में शराबबंदी के बाद से गांजे की तस्करी बढ़ गई है। इस धंधे में कई लोग शामिल हो गए हैं। बाँईर पर एसएसबी की तैनाती के बाद भी तस्कर गांजा लाने में सफल हो जाते हैं। हालांकि, पुलिस और एसएसबी लगातार



तस्करों को पकड़ रही है। सोनबरसा में फिर से नेपाल से लाया जा रहा गांजा पकड़ा गया है। सोनबरसा में एसएसबी की 51वीं वाहिनी के जवानों ने फिर गांजा पकड़ा है। एक तस्कर को भी गिरफ्तार किया गया है। उसकी

पहचान सोनबरसा थाना क्षेत्र के सोनबरसा गांव के लाल बहादुर महतो के बेटे जीतेन्द्र महतो के रूप में हुई है। गुप्त सूचना मिलने पर एसएसबी के कंपनी कमांडर इंस्पेक्टर बाबू सिंह साहब के नेतृत्व में आरक्षी मनीष कुमार और विपुल कुमार ने बाँईर के पिलर नंबर-323/13 के पास से एक कार में छिपाकर रखा 30 किलो गांजा जब्त किया। थानाध्यक्ष धर्मेन्द्र कुमार ने बताया कि गांजा और कार को जब्त कर तस्कर को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

गया (एजेंसियां)।

बिहार में गया जिले के प्रभावती अस्पताल अधीक्षक द्वारा महिला स्वास्थ्य कर्मियों के साथ अश्लील हरकत और गंदी बातें करने का मामला सामने आया है। फिलहाल, महिला थाने में आर-पी अधीक्षक के खिलाफ पीड़िता ने शिकायत दर्ज करवाई है। शिकायत दर्ज होने के बाद महिला थाने की पुलिस जांच पड़ताल में जुट गई है। हालांकि, महिला थाने में मामला आने के बाद आरोपी अस्पताल अधीक्षक फरार हो गया है।

मिली जानकारी के मुताबिक, गया शहर में प्रभावती अस्पताल

स्वास्थ्यकर्मों का अस्पताल अधीक्षक पर आरोप

हमें खुश करो, तुम्हें कोई कुछ नहीं बोलेगा, चाहे जब आओ-जाओ



के अधीक्षक सत्येंद्र चौधरी पर प्रभावती अस्पताल की महिला स्वास्थ्य कर्मों ने अश्लील और गंदी बात करने का आरोप लगाया है। साथ ही उनकी बात नहीं मानने पर अभद्र व्यवहार किया

अधीक्षक डॉक्टर सत्येंद्र चौधरी फरार हो गए हैं। शिकायत दर्ज होने के बाद आरोपी अधीक्षक न तो अस्पताल आ रहे हैं और न ही अपने आवास पर है। कार्रवाई की डर से भूमिगत हो गए हैं।

वहीं, पीड़िता ने बताया कि प्रभावती अस्पताल में स्वास्थ्य कर्मों के रूप में कार्यरत हूं। पिछले कई महीने से प्रभावती अस्पताल के अधीक्षक डॉक्टर सत्येंद्र चौधरी मुझे हर दिन मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहे थे। बिना कारण के हमें अपने चैंबर में बुलाकर कहते थे, तुम खुश कर दो, तुम्हें प्रभावती अस्पताल में कोई कुछ नहीं बोलेगा। तुम जब चाहो,

अस्पताल आओ और जब चाहो चली जाओ। जब मैं इसका विरोध करती थी तो मुझे गाली-गलौज और धमकी देते थे।

इसी क्रम में आरोपी अधीक्षक हमें कई बार अश्लील और गंदी बातें करते थे। जब नहीं मानी और शिकायत करने की बात कही तो उन्होंने कहा कि जिसको कहना है कह दो। हमारी पहुंच बहुत ऊपर तक है। हमें कुछ नहीं होगा। पीड़िता ने बताया कि इस हरकत से हम मानसिक रूप से बीमार हैं। महिला थाने में शिकायत दर्ज होने के बाद आरोपी अधीक्षक के खिलाफ पुलिस जांच पड़ताल में जुट गई है।

गजब का जज्बा: डॉक्टर थिएटर में ऑपरेशन कर रहे थे...और बच्चा मोबाइल में मैथ्स का वीडियो देख रहा था

मुरीद हुए लोग

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। जहां आजकल के बच्चे मोबाइल गेम में उलझे रहते हैं। वहीं, मुजफ्फरपुर जिले में तरियानी के अनमोल कुमार ने एक अनूठी मिसाल पेश की है। उत्तर बिहार के सबसे बड़े अस्पताल एसकेएमसीएच के पीडियाट्रिक सर्जरी विभाग में मंगलवार को जब उसका लेफ्ट इग्नूइनल हर्निया का ऑपरेशन चल रहा था, तब वह पूरी तल्लीनता से

एक मोबाइल पर गणित की पढ़ाई का वीडियो देख रहा था।

अनमोल कुमार तरियानी के प्रमोद कुमार के 10 वर्ष के पुत्र हैं और उनका हर्निया का ऑपरेशन हुआ है। ऑपरेशन के दौरान वह बिना किसी डर के आराम से गणित की पढ़ाई करते हुए वीडियो देख रहा था और इस दौरान डॉक्टर उसका ऑपरेशन कर रहे थे।

पीडियाट्रिक सर्जरी विभागाध्यक्ष डॉ. आशुतोष कुमार ने बताया, अनमोल कुमार को जब भर्ती कराया गया तभी



से वह मोबाइल में पढ़ाई से जुड़ा कंटेंट देख रहा था।

वहीं, मंगलवार को ऑपरेशन से पूर्व एनेस्थीसिया के विशेषज्ञ डॉ. नरेंद्र कुमार ने जब अनमोल को सर्जरी के लिए तैयार किया तो किसी को उम्मीद नहीं थी कि वह ऑपरेशन के दौरान भी पढ़ाई करता रहेगा।

ऑपरेशन शुरू हुआ और अनमोल ने मोबाइल स्क्रीन पर

आंख गड़ाए रखा। तभी डॉक्टर ने हल्के अंदाज में पूछा बाबू बड़े होकर क्या बनाता है, तुम्हें डॉक्टर इंजीनियर या अधिकारी। तब अनमोल कुमार का जवाब था, मैं इंजीनियर बनना चाहता हूं। उसका जवाब सुनकर पूरा ऑपरेशन थिएटर मुस्करा उठा। ऑपरेशन टीम में डॉ. आशुतोष कुमार के साथ में शिशु सर्जरी विभाग के डॉ. नरेंद्र कुमार के साथ अन्य डॉक्टर मौजूद रहे और सभी ने बच्चे के साहस की खूब प्रशंसा किया।